हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

12 साल भर की मेहनत के रूप में आया परीक्षा परिणाम

12 रेखा शर्मा की स्मृति में हवन का किया आयोजन

खबर संक्षेप

अहरवां के सरकारी स्कूल से हजारों का सामान चोरी

फतेहाबाद। रतिया रोड स्थित गांव अहरवां के सरकारी स्कूल में घुसकर चोरों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। इस बारे प्रिंसीपल द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहरवां के प्रधानाचार्य जगदीश चन्द्र ने कहा है कि गत दिवस जब वह स्कूल में गया तो उसे पता चला कि रात को विद्यालय में चोरी हो गई है।

चाय कैंटीन के लिए खुली बोली 28 मार्च को

फतेहाबाद। लघु सचिवालय भवन खंड प्रथम के बाहर तहसील के सामने और तृतीय तल स्थित व लघु सचिवालय भवन खंड द्वितीय अंत्योदय सरल केंद्र के सामने की ओर निर्धारित परिसर में चाय कैंटीन का कार्य करने हेतू वित्त वर्ष 2024-25 (एक अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक) की अवधि के लिए 28 मार्च को दोपहर 12 बजे खुली बोली के माध्यम से ठेका आधार किराया पर देने हेतू नीलामी का आयोजन किया जाएगा।

चार आरोपी चोरीशुदा बैट्रियों सहित काबू

डबवाली। सीआईए कालांवाली पुलिस ने चार आरोपियों को चोरीशुदा बैट्रियों सहित काबू किया है। सीआईए कालांवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि बीती 16 मार्च को शिकायतकर्ता बाबू राम की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर बैट्रियां भी बरामद की है।

युवक 9 ग्राम हेरोइन सहित काबू

डबवाली। एएनसी स्टाफ टीम ने गांव शेरगढ से युवक को 9 ग्राम हैरोइन सहित काबू किया है। एएनसी स्टाफ डबवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि सहायक सब इंस्पेक्टर दलबीर सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त पर डबवाली में मौजूद थे। इस दौरान पुलिस ने शक के आधार पर सामने से आ रहे युवक को रोककर उसकी नियमानुसार तालाशी ली तो उसके कब्जा से 9 हैरोइन बरामद हुई।

सो रही महिला के कानों से चुराई बालियां

सिरसा। जिला के गांव करीवाला में चोरों ने घर में सो रही एक महिला के कानों से सोने की बालियां चोरी कर ली। इसी दौरान महिला की आंख खुल गई और उसने शोर मचा दिया। जिस पर चोर घर से भाग गया। पुलिस को दी शिकायत में जीतराम ने बताया कि वह मजदूरी करता है। उसने बताया कि रोजाना की भांति परिवार के लोग खाना खाकर सो गए।

अलग-अलग स्थानों से 3 मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। जिला में अलग-अलग स्थानों से चोर तीन मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में मूल रूप से भारत नगर व हाल अग्रवाल कॉलोनी सिरसा निवासी सौरभ ने बताया कि वह ड्राइवरी का काम करता है। उसने बताया कि बीती 20 मार्च की शाम को वह श्याम बगीची में कीर्तन सुनने के लिए गया था। इसी दौरान पीछे से कोई उसका बाइक चोरी कर ले गया।

रोडवेज डिपो में मनाया शहीदी दिवस

सिरसा। रोडवेज डिपो में शहीदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कर्मचारी नेता पृथ्वी सिंह चाहर ने बताया कि सिरसा डिपो वर्कशॉप गेट पर शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहीदी दिवस पर उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मुख्यातिथि लेखाधिकारी राजेश कुमार मौजूद रहे।

समाज कल्याण में विभाग की लापरवाही के चलते बुजुर्गों को नहीं मिल रही पेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अधिकारी रिश्वत के मामले में जेल में बंद, फरवरी से बंद है पेंशन

जिला समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते वार्ड नं. 22 के वार्डवासियों की पिछले दो महीने से वृद्धावस्था पेंशन नहीं आई। पेंशन न आने के कारण वार्ड के बुजुर्ग समाज कल्याण विभाग के चक्कर लगाने को मजबूर हैं लेकिन कर्मचारियों पर जूं तक नहीं रेंग रही। यही नहीं, फरियाद लेकर आने वाले बुजुर्गों से दुर्व्यवहार तक करते हैं। बता दें कि जिला समाज कल्याण अधिकारी रिश्वत के मामले में इस समय जेल में बंद हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वार्ड के लोगों की इलाहाबाद बैंक में पेंशन बनी हुई थी। इलाहाबाद बैंक का विलय इंडियन बैंक में हो गया। इसके बाद दो साल तक पेंशन आती रही। फरवरी मास में अचानक इन बुजुर्गों की पेंशन आनी बंद हो गई। समाज कल्याण विभाग के सूत्रों के अनुसार विभाग ने उनके यहां इंडियन बैंक का आईएफएससी कोड नहीं भेजा। इस बारे इंडियन बैंक के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने एक महीना पहले ही समाज कल्याण विभाग में एप्लीकेशन देकर सारा ब्यौरा दे दिया था ताकि पात्र लोगों को पेंशन मिलने में कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा अनेक काम यहां रुके पड़े हैं। बता दें कि 11 मार्च को जिला समाज कल्याण अधिकारी लालचंद डूडी रिश्वत लेने के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो के हत्थे चढ़ गए थे। तब से यह पद खाली पड़ा है। सरकार ने किसी भी अधिकारी को इसका अतिरिक्त चार्ज नहीं दिया है। मार्च महीने के 7 दिन शेष बचे हैं। ऐसे में अनेक लोगों को बजट लैप्स होने का डर सता रहा है। विभाग के पास इस समय विवाह शगुन योजना, एससी-एसटी एक्ट के तहत पीड़ितों को मिलने वाली सहायता राशि, तहसीलों के काम व सैलरी के काम पेंडिंग पड़े है। बुढ़ापा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, लाडली पेंशन व विधवा पेंशन के लिए लोग विभाग के चक्कर काट रहे हैं। सैंकड़ों लोगों की नई पेंशन भी नहीं बन रही।

विभाग को मिल चुकी थी सूचना

हमने समाज कल्याण विभाग के मुख्यालय को इस बारे सूचना दे दी थी। वहां इस बारे अभी मॉडयूल बनाया जा रहा है। यह दिक्कत पूरे प्रदेश में है। जिला स्तर पर यह पॉवर आ जाएगी, जिसके बाद पेंशन सम्बंधी सभी शिकायतों को दूर कर दिया जाएगा। इसी महीने पेंशन आ जाएगी।
-मोहित जांगड़ा, समाज कल्याण विभाग फतेहाबाद

अधिकारियों से करेंगे बात

पेंशन की समस्या मेरे सामने पहले भी आई है। इस बारे में वह समाज कल्याण विभाग के उच्चाधिकारियों से बातचीत करेंगे। शीघ्र ही पेंशन सम्बंधी समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा।
-राहुल नरवाल, डीसी फतेहाबाद

रिश्तेदारी में आए व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

- बुआ के बेटे व पुत्रवधू सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोड़ी

गांव रोड़ी में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मामला आपसी विवाद का बताया जा रहा है। मृतक पंजाब में सरदूलगढ़ के चोटियां गांव का रहने वाला है जो रोड़ी में अपनी बुआ के घर रिश्तेदारी में आया हुआ था। शुक्रवार रात किसी बात को लेकर हुए विवाद में लाठी डंडों से मारपीट कर हत्या करने के आरोप में मृतक के भाई ने बुआ के लड़के व उसकी पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच जुटी हुई है। पुलिस को दिए बयानों में सरदूलगढ़ के चोटिया गांव निवासी जगदीश सिंह ने बताया कि उनकी रिश्तेदारी रोड़ी गांव में है। उसका 40 वर्षीय भाई लक्खा सिंह अपनी बुआ के घर शुक्रवार को आया था। लक्खा सिंह अविवाहित था। रात में बुआ के लड़के बिंद्र सिंह व लक्खा सिंह में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपित बिंद्र सिंह, उसकी पत्नी जसप्रीत कौर सहित अन्य लोगों ने लक्खा सिंह की लाठी व डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

पारा बढ़ने से नहरों पर डूबकी लगाने पहुंचे युवा

फतेहाबाद में तापमान 35 पार, पश्चिम विक्षोभ एक्टिव से आज बदलेगा मौसम

बढ़ता तापमान गेहूं के लिए घातक साबित होगा घातक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गर्मी बढ़ने पर नहर में नहाते युवा। *फोटो : हरिभूमि*

प्रदेश में शनिवार को जून की गर्मी का अहसास होने लगा। तेज धूप से तापमान 35 डिग्री तक पहुंच गया। इससे आम घरों में न केवल पंखे चलने शुरू हो गए वहीं युवाओं की टोलियां भी नहरों पर पहुंचने लगी हैं। रविवार से पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की संभावना के चलते मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बादलवाई के बाद बारिश के आसार हैं। 27 मार्च से फिर दो दिन हल्की बारिश हो सकती है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में दिन के तापमान में 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश में शनिवार को अधिकतम तापमान 5 डिग्री बढ़ने के साथ ही 35 डिग्री तक पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे गर्म दिन माना गया है। न्यूनतम तापमान भी 6 डिग्री बढ़कर 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। फतेहाबाद में सबसे अधिक 35 डिग्री तापमान रहा। यहां सामान्य से 5 डिग्री तापमान ज्यादा दर्ज किया गया। शनिवार को छुट्टी होने के कारण बच्चे नहरों पर पहुंच गए और गर्मी में नहाकर जमकर मस्ती की। मार्च महीने में ही एकाएक तापमान बढ़ने से गेहूं के उत्पादन पर संकट पैदा हो गया है। 2 मार्च को बारिश व ओलावृष्टि के समय यहां अधिकतम तापमान 23 डिग्री व न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रह गया था। उसके बाद लगातार तापमान में वृद्धि हो रही है जो गेहूं की फसल के लिए घातक है। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि गेहूं की फसल के लिए तापमान 29 डिग्री से कम होना चाहिए। तापमान 29 से ऊपर जाता है तो यह गेहूं के लिए नुकसानदायक है। अब चल रहे तापमान से गेहूं के दाने में रस सूखने लगा है। रात का तापमान भी बढ़ने से गेहूं को ठंडक नहीं मिल रही। किसानों का मानना है कि बारिश न आई व तापमान ऐसा ही बढ़ता रहा तो इसका असर गेहूं के उत्पादन पर पड़ेगा। इस बारे में कृषि उपनिदेशक डॉ. राकेश सिहाग ने कहा कि अभी रात का मौसम गेहूं की फसल के लिए सही है। मार्च महीने बीतने को है। ऐसे में गेहूं की फसल को कोई ज्यादा नुकसान वाली बात नहीं है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ का कहना है कि सूबे में 25 मार्च तक मौसम में बदलाव रहने की संभावना है। यह बदलाव एक पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से देखने को मिलेगा। सूबे में 24 मार्च को ज्यादातर क्षेत्रों में बादल छा सकते हैं।

नेशनल हाइवे पर चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे पर वाहनों की जांच करते यातायात पुलिस कर्मचारी।

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जान व माल की हानि को रोकने के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद यातायात पुलिस ने लेन ड्राइविंग व गलत दिशा में ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों को जागरूक करने के विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत यातायात पुलिस टीमों ने जिलेभर के मुख्य सड़कों के अलग-अलग चौराहो पर वाहन चैकिंग के दौरान भारी वाहनों द्वारा लेन ड्राईविंग के नियमों का उल्लंघन किए जाने पर 86 वाहनों के चालान किए। सड़क सुरक्षा व सुरक्षित सफर के लिए फतेहाबाद यातायात पुलिस का अभियान जारी रहेगा। यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक कप्तान सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा भारी वाहनों के संबंध में लेन ड्राइविंग तथा गलत दिशा में ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमनुसार कार्रवाई की जारी रहेगी। फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के निर्देशन में जिला भर मे विभिन्न टीमों द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान यातायात नियमों, लेन ड्राइविंग और गलत दिशा में चलने वाले वाहन चालकों को जागरूक भी किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को बताया कि लेन ड्राइविंग के दौरान धीमी गति से चलने वाले सभी वाहन जैसे ट्रक, बस आदि को बाई लेन में रखना चाहिए।

इग्नू में रि-रजिस्ट्रेशन व एडमिशन की अंतिम तिथि 31 तक बढ़ी

फतेहाबाद। इग्नू स्टडी सेंटर 1031 भोडिया खेड़ा के कोऑर्डिनेटर डॉ. गुरनाम चन्द ने बताया कि जनवरी 2024 सत्र में एडमिशन ऑनलाइन और ओडिएल मोड दोनों के लिए सर्टिफिकेट, समेस्टर आधारित व मेरिट बेस्ड प्रोग्राम को छोड़कर पंजीकरण करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है। पहले यह तिथि 20 मार्च थी। इसके साथ ही रि-रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 500 रुपये लेट फीस के साथ 31 मार्च कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जो छात्र रि-रजिस्ट्रेशन करवाने से वंचित रह गए है वे अपना रि-रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि से पहले करवा लें।

दो भाइयों की दुकान पर ठगों ने लगाया 6500 का चूना

- कपड़े खरीदे, ऑनलाइन पेमेंट का मैसेज दिखाकर नकदी ले उड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

थाना रोड स्थित दो भाईयों की दुकान पर ठगों ने 6500 रुपए की ठगी कर ली। युवक दुकानदार से 1500 रुपए के कपड़े भी ले गया और 5 हजार कैश भी ले गया। शाम को दुकानदार ने बैंक अकाउंट चेक किया तो गूगल पे से कोई पेमेंट रिसीव न होने पर ठगी का पता चला। अब दुकानदार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। दुकानदार देवेंद्र मोंगा ने बताया कि उसकी थाना रोड पर कपड़ों की दुकान है। 20 मार्च को 2 युवक उनकी दुकान पर आए। वह 1500 रुपए के बच्चों के कपड़े उठाकर काउंटर पर लाए। युवक ने कैश न होने और अन्य काम के लिए भी रुपए की जरूरत होने की बात कहते हुए उससे 5 हजार ले लिए और कुल 6500 की गूगल पे ट्रांजेक्शन का मैसेज उसे दिखा दिया।

होली पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट पर

- भीड़भाड़ वाले बाजारों में सादी वर्दी में पुलिस तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

होली पर्व के दौरान हुड़दंगियों, अराजकतत्वों व नशेड़ियों से आमजन की सुरक्षा के लिए जिला पुलिस ने कमर कस ली है। ऐसे तत्वों से निपटने के लिए पुलिस ने अपने स्तर पर अत्याधिक सर्तकता बरतना शुरू कर दिया गया है। होली पर्व पर बुलेट बाइक से पटाखे छोड़कर दहशत फैलाने वालों तथा तेज गति से बाइक तथा अन्य वाहन चलाकर हुड़दंगबाजी कर शांति भंग करने वालों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि होली पर्व पर जिले में कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों, नशा तस्करों, नशेड़ियों, हुड़दंगियों व बाजारों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। जिले में आने वाले सभी वाहनों की चैंकिंग की जा रही है। पुलिस की असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने तथा उन पर पैनी नजर रखने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत जिला के सभी कस्बों, नैशनल हाईवे तथा अन्य मागार्रें पर जगह-जगह नाकाबंदी कर चैकिंग अभियान चला कर नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के जवानों ने दिन व रात्रि में गश्त को बढ़ा दिया है। पुलिस द्वारा संदिग्ध लोगों के अलावा नशेड़ियों, नशा तस्करों पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है। पुलिस ने संदिग्ध मागार्रें के साथ-साथ जिला के साथ लगती पंजाब व राजस्थान सीमा पर भी विशेष सावधानी व चौकसी बढ़ा दी है तथा वहां से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति व वाहन को चेक कर संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए भीड़भाड़ वाले बाजारों मे गश्त पार्टी के अलावा सादी वर्दी में भी पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा जहां महिलाओं का 'यादा आवागमन रहेगा वहां पर महिला पुलिस के अलावा पुलिस पीसीआर,डायल-112 तथा मोटरसाइकिल राइडर पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे।

पराली की गांठों में लगी आग, 10 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। पराली की गांठों में लगी आग। *फोटो : हरिभूमि*

भूना खंड के गांव सिंथला के पास कई एकड़ में रखी गई पराली की गांठों में देर शाम भयंकर आग लग गई। आग देखते ही देखते आगे फैलने लगी। जिस पर आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। साथ ही गांव में अनाउंसमैंट तक करवा दी गई, जिससे भारी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और दमकल गाड़ी आने तक अपने स्तर पर आग बुझाने के कार्य में जुट गए। बाद में आग के विकराल रूप को देखते हुए फतेहाबाद, भूना, टोहाना, कुलां, धारसूल, जाखल, रतिया सहित पूरे जिलेभर से 8-10 दमकल गाडियों को मौके पर भेजा गया। रात 12 बजे के बाद आखिरकार आग पर काबू पाया गया। लोगों ने बताया कि आग गांव की तरफ बढ़ने लगी थी, जिस कारण चिंताएं बढ़ गई थी, लेकिन आखिरकार आग को काबू कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार भूना क्षेत्र में बन रहे बायो एनर्जी प्लांट के लिए सिंथला की चार एकड़ पंचायती जमीन ठेके पर लेकर यहां पर धान की पराली की हजारों गांठें स्टॉक कर रखी हुई हैं। जिनमें देर शाम अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने गांव में तथा भूना दमकल को तुरंत सूचना दी। लोगों ने बताया कि सूचना के बाद भी 40 मिनट बाद दमकल मौके पर पहुंची। तब तक आग का रुख गांव की तरफ होना शुरू हो गया था। जिसके बाद गांव में अनाउंसमैंट करवाई गई और भारी संख्या में लोग पहुंचना शुरू हो गए। आग बुझाने पहुंचे भूना दमकल कर्मियों ने बताया कि आग ज्यादा विकराल होने पर जिलेभर से गाडियों को बुलाया गया। आग बुझने के बाद भी तीन गाडियों को यहीं तैनात किया गया ताकि गांठों के अंदर से फिर आग न भड़क सके।

डिंग मंडी से शुरू हुई यात्रा सिरसा जिले में करेगी भ्रमण

साइकिल यात्रा का सिरसा में किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। साइकिल यात्रा का स्वागत करते लोग।

शहीदी दिवस के अवसर पर डिंगमंडी से युवाओं ने नशा विरोधी साइकिल यात्रा निकाली, जिसमें 25 से अधिक युवाओं ने प्रतिभागिता की। साइकिल यात्रा का नेतृत्व डिंग मंडी निवासी पवन सुथार ने किया। सिरसा में पहुंची इस नशा विरोधी साइकिल यात्रा का अनेक धार्मिक, सामाजिक संगठनों की ओर से स्वागत किया गया। सुनील बामनियां ने साइकिल यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की यात्रा युवाओं के लिए काफी कारगर साबित होगी। बामनियां ने कहा कि वर्तमान समय में नशे का प्रचलन काफी बढ़ गया है। युवा वर्ग नशे की लत का शिकार होकर गलत दिशा में जा रहा है। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्त्रम लगातार होने चाहिए। उन्होंने बताया कि यह नशा विरोधी साइकिल यात्रा पूरे जिले का भ्रमण कर युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करेगी। इस मौके पर विरेंद्र गिरी गोस्वामी सभा के प्रदेशाध्यक्ष, जिला पार्षद जिकेश मेहता, आनंद सिंह रावत उतराखंड सेवा समिति के प्रधान, राजेंद्र कुमार उपप्रधान धानक धर्मशाला प्रबंधक समिति, युवा जाट परिषद के अध्यक्ष रणबीर बांगड़वा, राजेश जलंधरा, महेंद्र धिंगतानिया, ललित छिंपा रोबिन हुड आर्मी के प्रमुख, कर्ण बतरा, संदीप कटेसरिया सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

डबवाली में आवारा कुत्तों की दहशत

डबवाली। डबवाली शहर के लोग इन दिनों आवारा कुत्तों से बेहद परेशान हैं। पिछले दो दिनों में आक्त्रामक हुए आवारा कुत्तों ने दो दर्जन के करीब लोगों को अपना शिकार बनाया है। इनमें बच्चे,बूढ़े और महिलाएं शामिल है। सबसे ज्यादा दहशत वार्ड नंबर 15, 16 व रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाकों में बनी हुई है। यहां पर आवारा कुत्तों ने कई लोगों को अपना शिकार बनाया और इन सभी लोगों को इलाज के लिए डबवाली के सरकारी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। आवारा कुत्तों की वजह से लोगों में इतनी दहशत बनी हुई है कि लोग अपने बच्चों को बाहर तक नहीं भेजते। बताया जाता है कि कुछ कुत्ते बीमारी का शिकार है और यह आते-जाते लोगों पर हमला करते हैं।

नागरिकों को मिलेगी चुनावी संबंधी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आर के सिंह ने बताया कि जिला के नागरिकों की सुविधा व लोकसभा आम चुनाव के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कोई भी मतदाता एवं आम नागरिक कंट्रोल रूम में लोकसभा आम चुनाव के संबंध में जानकारी ले सकता है। उपायुक्त ने बताया कि लोकसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान यदि कहीं भी आदर्श आचार संहिता की उल्लंघना की शिकायत मिलती है तो नागरिक किसी भी समय इसकी सूचना कंट्रोल रूम नंबर 1950 पर दे सकते हैं। इस नंबर पर 24 घंटे कर्मचारी की ड्यूटी रहेगी। इसके अलावा पुलिस कंट्रोल रूम नंबर सिरसा के नंबर 01666-247811/112 व डबवाली के नंबर 01668-299100/7082014523 पर भी संपर्क कर सकते हैं। चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनावों की तिथियों की घोषणा कर दी है, जिसके साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आदर्श चुनाव आचार संहिता की पूर्ण ईमानदारी से अनुपालना करें। चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार की कोई सहायता व शिकायत के लिए कंट्रोल रूम के नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

होली में रंग उड़ाने के साथ कमा सकते हैं अच्छा पैसा

- कई बिजनेस कुछ ही दिन में करा सकते हैं जबरदस्त कमाई
- खाने-पीने की चीजें बेचकर भी हो सकते हैं मालामाल
- हर्बल रंग बेचकर भी आप कमा सकते हैं बढ़िया पैसा
- कर सकते हैं गिफ्ट और हैम्पर्स का भी बिजनेस कर सकते हैं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस दिनों देशभर में चुनाव के साथ होली का भी खुमार छाया हुआ है। हर तरफ होली की रंगत छाई हुई है। होली अब बहुत नजदीक है। चारों ओर रंगों के इस त्योहार को लेकर तैयारियां चल रही हैं। आप भी इस त्योहार में अपनी खुशियों को डबल कर सकते हैं, यानी रंग उड़ाने के साथ अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। बस जरूरत है छोटी सी शुरूआत करने की। त्योहार मनाने के साथ-साथ अगर कमाई भी हो जाए तो आपकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। इसलिए आप भी होली को ध्यान में रखते कुछ बिजनेस आइडिया पर काम करें और अच्छा पैसा कमाएं। रंग और गुलाल, पिचकारी और खिलौनों का बिज़नेस, मिठाई-नमकीन का सामान, पूजा सामग्री, टूर-ट्रेवल, होली इवेंट एक्सपीरियंस, होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स और खाने पीने की सामग्री समेत कई बिजनेस आपको कुछ ही दिनों में अच्छा पैसा कमाकर दे सकते हैं। यह आपकी खुशियों को दोगुना-तिगुना कर देंगे। इसमें 1-2 काम तो आप होली के बाद भी जारी रख कर या इसे नियमित में तब्दील कर सकते हैं और बाद में इनका विस्तार भी कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ बिजनेस आईडियाज जो आपको करवा सकते हैं बढ़िया कमाई।

रंगों का व्यापार

होली में रंग न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। रंगों को लेकर लोगों के बीच आजकल काफी जागरूकता देखने को मिल रही है। वह सिंथेटिक और हार्ड कलर की बजाय हर्बल कलर्स को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। आप हर्बल कलर बेचकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप इन्हें घर पर खुद ही बना सकते हैं। हर्बल कलर बनाने के लिए आपको गुलाब के पत्ते, इंडिग, मेंहदी, हल्दी, दही आदि की जरूरत होगी। आप यूट्यूब से भी हर्बल कलर बनाना सीख सकते हैं। बड़ों से ज्यादा बच्चे रंग, गुब्बारों और गुलाल की खरीदारी करते हैं। होली पर बच्चे से लेकर बूढ़े तक को रंग, अबीर, गुलाल की तो जरूरत होती ही है। ऐसे में आप रंग बेचने का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप घर से ऑर्गेनिक रंग बनाकर भी बेच सकते हैं। बाजार में बिकने वाले कैमिकल कलर से बचाव के लिए अब लोग ऑर्गेनिक कलर पर ध्यान देने लगे हैं। ऐसे में आप घर से ही इस बिजनेस को शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस को छोटे स्तर पर महज 3 से 4 हजार की कीमत पर शुरू कर सकते हैं और अच्छे दामों पर बेच सकते हैं।

खाने-पीन की सामग्री

होली के दिन घरों में खूब पकवान बनाए जाते हैं। मिठाई-नमकीन की तो खूब डिमांड होती है। घरों में गुजिया, मट्ठी जैसे कई स्नैक्स बनाए जाते हैं। ऐसे में आप इन्हें बनाने का कच्चा माल भी बेच सकते हैं, या इन्हें बनाकर भी बेच सकते हैं। होली के दिन मेहमानों का स्वागत करने के लिए अलग-अलग प्रकार की मिठाइयां भी तैयार की जाती हैं। आप तरह-तरह की मिठाइयां बनाकर भी बेच सकते हैं। अपना माल घर ही में तैयार कर लें या कारीगर बुलाकर तैयार करा लें। इसके अलावा होली के मौके पर आम तौर पर चलने वाले चावल के पापड़, आलू के पापड़, मैदे के पापड़, साबूदाना के पापड़, चिप्स, भुजिया बनाकर कच्चे ही बेचे जा सकते हैं। होली के समय पर इन सामानों के खरीदार काफी होते हैं, ऐसे में आप लोगों की इन जरूरतों को पूरा करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

होली इवेंट

आप एक होली इवेंट आयोजित कर लोगों को इस त्योहार को बड़े स्तर पर मनाने का आनंद दे सकते हैं। इसके लिए टिकट रख सकते हैं। ऐसे इवेंट में सबसे जरूरी होगा कि आप एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएं। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। आप यहां खाने-पीने की सामग्री, पानी, रंग आदि की व्यवस्था कर अलग-अलग इलाकों में रहने में वाले लोगों को एक साथ ला सकते हैं। वैसे भी होली गिले शिकवे भूलने और एक दूसरे को गले लगाकर रंग लगाने का त्योहार है। त्योहार पर ऐसे कार्यक्रम से आपको भी अच्छी कमाई होगी और बच्चे, बूढ़े और जवान एक सुरक्षित महौल में होली को त्योहार मनाकर रोमांचित और खुश होंगे।

होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स

होली पर लोग एक-दूसरे को गिफ्ट देना भी पसंद कर सकते हैं। आप गिफ्ट व हैम्पर्स बनाकर पैसा बना सकते हैं। यह ऐसा बिजनेस है जिसे आप होली के बाद भी जारी रख सकते हैं। भारत त्योहारों का देश है और यहां हमेशा कोई न कोई त्योहार मनाया ही जाता है। त्योहार न भी हो तो भी एनिवर्सिरी व बर्थडे जैसे सेलिब्रेशन में भी इनकी जरूरत पड़ती ही है।

पूजा सामग्री

होली से एक दिन पहले होलिका दहन के दिन पूजा भी की जाती है। ऐसे में पूजा के सामान की हर किसी को ज़रूरत होती है। आप होली से पहले पूजा सामाग्री बेचने का भी बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप धूप, अगरबत्ती, बताशे, फूल, माला इत्यादि को रख कर अच्छे दाम पर ग्राहकों को बेच सकते हैं। यह बिज़नेस केवल होली में ही नहीं बल्कि साल भर चल सकता है। आप इससे अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस दिन बच्चों के लिए फलों, बिस्किट, चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री की माला बनाई जाती है। ऐसे में आप बच्चों की माला बनाने का काम भी कर सकते हैं।

टूर-ट्रेवल

अक्सर लोग काम की तलाश में दूसरे शहर में रहते हैं। होली के मौके पर हर कोई अपने घर आना चाहता है, लेकिन टिकट की मारामारी के बीच उन्हें घर जाने के लिए टिकट नहीं मिलती। ऐसे में आप ट्रैवल ऐजेंट के रूप में टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। बस आपके पास प्रिंटर, लैपटॉप और वाइ-फाई कनेक्शन होना चाहिए। होली के मौके पर कई लोगों को ऑफिस से जल्दी छुट्टी भी नहीं मिल पाती। इसलिए वो पहले से टिकट बुक नहीं करा पाते। इसलिए आप उनकी टिकट बुक करने में मदद कर सकते हैं। कई लोग टिकट पाने के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च करने को भी तैयार हो जाते हैं। आप इस बिज़नेस के ज़रिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। होली के मौके पर न केवल आप इस त्यौहार का पूरा आनंद ले सकते हैं, बल्कि आप इस त्यौहार को अवसर के रूप में भुना कर अच्छी कमाई भी कर सकते हैं।

एसआईपी में 10% का नियम जल्द बना सकता है करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करना चाहते हैं या कर रहे हैं तो एक बात गांठ बांध लें फिर आपको करोड़पति बनाने से कोई नहीं रोक सकता है। बस जरूरी है तय लक्ष्य के साथ जल्द और सधी हुई शुरूआत करने की। फिर देखना आप आसानी से बिना किसी परेशानी के अपने सपने पूरे कर सकते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ बड़े निवेश से ही बड़ा फंड तैयार होता है तो आपको इस सोच को बदल लेना चाहिए। आज के समय में ऐसी तमाम स्कीम्स हैं, जिसमें आप अगर छोटे अमाउंट से भी शुरुआत करेंगे तो बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। एसआईपी उसमें से एक है। इसके के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है। इस स्कीम में अगर आप लंबे समय के लिए अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकते हैं। एसआईपी के जरिए अगर आप करोड़पति बनना चाहते हैं तो आपको 10% वाला एक फॉर्मूला अच्छे से समझ लेना चाहिए। अगर आप इस फॉर्मूले के साथ सिर्फ 3000 रुपये की भी मासिक एसआईपी शुरू करें तो कुछ ही सालों में आपका करोड़पति बनना तय है। सिर्फ आप इन नियम को अपने पोर्टफोलियों में उतार लें इसके बाद आंखें बंद करके भी निवेश करेंगे तो आपको अमीर बनने से कोई नहीं रोक पाएंगा। तो आइये इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं कि आखिर वह 10 फीसदी वाला फॉर्मूला क्या है जो आपको पूंजीपति यानी करोड़पति बनाएगा।

3000 रुपये से भी शुरू करेंगे निवेश तो होंगे मालामाल

■

छोटे से निवेश भी आपको मिल सकता है बढ़िया रिटर्न, अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकेंगे

■

एसआईपी के जरिए आप आसानी से करोड़पति बन सकते हैं

क्या 10 प्रतिशत वाला फॉर्मूला

अब हम आपको बताते हैं 10% वाला फॉर्मूला। इसके तहत आप जितने रुपये से भी एसआईपी में निवेश शुरू करते हैं, उसमें हर साल 10 प्रतिशत अमाउंट बढ़ाते जाना है। मान लीजिए कि आप 3,000 रुपये महीने की एसआईपी शुरू करते हैं तो एक साल बाद आपको 3,000 में 10 फीसदी के हिसाब से 300 रुपये बढ़ाने होंगे यानी अगले साल आप 3300 रुपये की एसआईपी पूरे एक साल चलाएंगे। इसके अगले साल में 3,300 का 10 फीसदी यानी 330 का अमाउंट इसमें और एड करना है। इस तरह 3,630 रुपये की एसआईपी आपको पूरे एक साल तक चलानी होगी। उसके अगले साल 3,630 का 10 फीसदी अमाउंट उसी एसआईपी में बढ़ाना है। इस तरह आपको हर साल निवेश की रकम का 10 फीसदी उसमें बढ़ाते रहना है।

अब समझिए कैसे बनेंगे करोड़पति

पहला नियम: 10 फीसदी फॉर्मूले के हिसाब से आपने अगर 25 साल की उम्र पर 3,000 रुपये को एसआईपी में निवेश करना शुरू किया है और इस निवेश को हर साल 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ाते हुए लगातार 25 से 30 साल तक जारी रखा तो आप करोड़पति बन जाएंगे। दरअसल, एसआईपी में औसतन रिटर्न 12 फीसदी का माना जाता है। ऐसे में अगर आप इस निवेश को 10 प्रतिशत के फॉर्मूले के साथ 25 सालों तक जारी रखते हैं तो 25 सालों में आपका कुल निवेश 35,40,494 रुपये का होगा। 12 फीसदी के हिसाब से इस पर 92,86,144 रुपये ब्याज मिलेगा और मैच्योरिटी पर आप 1,28,26,638 रुपये के मालिक होंगे।

दूसरा नियम: अगर आप इस निवेश को लगातार 30 सालों तक जारी रखते हैं तो आप 30 सालों में 59,21,785 रुपये इन्वेस्ट करेंगे। 12 फीसदी के हिसाब से ब्याज के तौर पर आपको 2,05,80,586 रुपये मिलेंगे और मैच्योरिटी पर आप 2,65,02,371 रुपये के मालिक बन जाएंगे। इस तरह आप सिर्फ 3,000 रुपये से एसआईपी में निवेश शुरू करके 25 से 30 सालों में खुद को करोड़पति बना सकते हैं।

- प्योर टर्म, एंडोमेंट, यूएलआईपी, मनीबैक या फिर पेंशन प्लान
- कौन सी बीमा पॉलिसी आपके लिए रहेगी बेस्ट एक बार जांच लें
- इसके बाद ही बीमा पॉलिसी खरीदने को बनाएं अपनी रणनीति

ध्यान दें कौन सी लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने में है समझदारी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

क्या आप अपने लिए एक सही और सटीक लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीदने का फैसला सिर्फ इसलिए नहीं कर पा रहे, क्योंकि बाजार में मौजूद जीवन बीमा प्रोडक्ट्स की भारी भीड़ ने आपको कनफ्यूज कर दिया है? अगर आपका जवाब हां में है, तो ऐसे असमंजस में फंसने वाले आप अकेले व्यक्ति नहीं हैं। मनीबैक पॉलिसी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी), पेंशन प्लान और भी न जाने क्या-क्या! दरअसल लाइफ इंश्योरेंस स्कीम्स के इतने सारे ऑप्शन मार्केट में मिल रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति को फैसला लेने में कनफ्यूजन हो सकता है। हम यहां इसी उलझन को दूर करने की इस रिपोर्ट के जरीये कोशिश करेंगे।

लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी

सबसे पहली बात तो यह है कि किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए लाइफ इंश्योरेंस प्लान लेना बेहद जरूरी है, जो अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा हो या जिस पर बहुत से लोग आर्थिक तौर पर निर्भर हों। अगर ऐसे व्यक्ति के साथ कोई हादसा हो जाए, तो उनके परिवार के लिए जीवन बीमा पॉलिसी एक बड़ा सहारा साबित हो सकती है। इसलिए तमाम कनफ्यूजन को दूर करके जल्द से जल्द लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीद लेने में ही समझदारी है। अब बात करते हैं कि ज्यादातर लोगों के लिए कौन सा प्लान लेना आमतौर पर सही रहता है।

निवेश कितना सही

एंडोमेंट प्लान हो, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) हों या मनीबैक पॉलिसी या फिर पेंशन प्लान। इन सभी में इंश्योरेंस और इनवेस्टमेंट का कंबिनेशन देखने को मिलता है। इन सबको मिलाकर आप हाइब्रिड इंश्योरेंस प्लान भी कह सकते हैं। ऐसे प्लान को बेचते समय आम तौर पर यही कहा जाता है कि इनमें आपको बीमा और निवेश, दोनों का लाभ मिलता है। सैद्धांतिक तौर पर तो यह बात सही है, लेकिन व्यावहारिक रूप से ऐसा होता नहीं है। इसकी वजह यह है कि हाइब्रिड प्लान आमतौर पर महंगे पड़ते हैं यानी ऊंचा सम-इंश्योर्ड चाहिए तो प्रीमियम काफी अधिक हो जाता है, जिसके चलते इनके जरिये लोग आम तौर पर हाइब्रिड प्लान में पर्याप्त लाइफ कवर नहीं ले पाते और अगर लाइफ कवर पर्याप्त नहीं हो, तो जीवन बीमा का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है।

बहुत सफल नहीं होता

हाइब्रिड प्लान अपने दूसरे मकसद यानी इनवेस्टमेंट ऑप्शन के तौर पर भी बहुत सफल नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आमतौर पर बेहद मामूली होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि निवेश की गई रकम के जरिए ही इंश्योरेंस भी दिया जाता है, जिसके एवज में बीमा कंपनी आपके रिटर्न में से ही नियमित रूप से मॉर्टेलिटी चार्जेज भी काटती है।

प्योर टर्म प्लान के क्या फायदे

हाइब्रिड प्लान से अलग, प्योर टर्म प्लान आपको काफी कम प्रीमियम में ऊंचा कवरेज दे सकते हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाता है, क्योंकि बीमा कंपनी आपसे प्योर टर्म प्लान के लिए जो प्रीमियम वसूल करती है, वह सिर्फ इंश्योरेंस के लिए ही होता है। प्योर टर्म प्लान में कोई सर्वाइवल बेनिफिट नहीं मिलता। यानी बीमा का लाभ इंश्योर्ड व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी होने पर ही मिलता है। पहली बार में ऐसा लग सकता है कि प्योर टर्म प्लान के प्रीमियम के लिए किया गया भुगतान सर्वाइवल की स्थिति में पूरी तरह बेकार चला जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल प्योर टर्म प्लान का असली फायदा आपको इतना बड़ा लाइफ कवरेज मुहैया कराना है, जिसे किसी भी हाइब्रिड प्लान में अफोर्ड कर पाना बेहद मुश्किल है। मिसाल के तौर पर 1, 2 या 5 करोड़ रुपये का प्योर टर्म प्लान भी काफी अफोर्डेबल होता है, जबकि किसी भी हाइब्रिड प्लान में इतना बड़ा कवरेज लेने के लिए आपको साल में लाखों रुपये का प्रीमियम देना पड़ सकता है।

इंश्योरेंस और निवेश को अलग-अलग रखना बेहतर

अगर आप अपने लाइफ इंश्योरेंस और निवेश के लक्ष्य को अलग-अलग रखें तो दोनों ही मामलों में बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर आप कम प्रीमियम पर पर्याप्त कवरेज ले पाएंगे और निवेश पर बेहतर रिटर्न भी कमा लेंगे। ऐसा करने का सबसे सीधा तरीका यही है कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान पर भरोसा करें। वहीं, निवेश के लिए अपने रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से पीपीएफ, बैंक एफडी से लेकर म्यूचुअल फंड एसआईपी तक किसी और विकल्प का चुनाव कर सकते हैं। सबसे बेहतर रणनीति तो यही होगी कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान खरीदें और फिर प्रीमियम में होने वाली बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश कर दें।

एमएफ में क्या होता है एनएवी, आखिर कैसे किया जाता तय

बिजनेस डेस्क। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स (लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है। म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रदर्शन उसकी प्रति यूनिट एनएवी द्वारा दर्शाया जाता है। प्रति यूनिट एनएवी किसी स्कीम की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य को किसी निश्चित तारीख पर योजना की यूनिट्स की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अगर किसी म्यूचुअल फंड योजना की प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य 200 लाख रुपये है और म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को 10 रुपये की 10 लाख यूनिट जारी की हैं तो फंड की प्रति यूनिट एनएवी 20 रुपये (200लाख/10 लाख) होगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है।

आखिर में एनएवी घोषित होती है

शेयरों के उलट, जहां कीमत शेयर बाजार द्वारा संचालित होती है और मिनट-दर-मिनट बदलती रहती है, सेबी म्यूचुअल फंड विनियमों के मुताबिक, बाजार बंद होने के बाद हर ट्रेडिंग दिन के आखिर में म्यूचुअल फंड योजनाओं की एनएवी घोषित की जाती है। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स(लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा।

क्या है नेट एसेट वैल्यू फॉर्मूला

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, नेट एसेट मूल्य (एनएवी) का कैलकुलेशन निम्न फॉर्मूला के तहत निकाला जा सकता है:-

■

एसेट का शुद्ध मूल्य=(कुल संपत्ति-कुल देनदारियां)/फंड की कुल बकाया यूनिट्स नेट एसेट वैल्यू के फॉर्मूला को समझने के बाद, अगला कदम नेट एसेट वैल्यू में परिवर्तनों को समझना जरूरी है।

मान लीजिए कि आपने म्यूचुअल फंड स्कीम के एनएफओ (नए फंड ऑफरिंग) में 10 रुपये की एनएवी पर निवेश किया है। 3 महीने के बाद, एनएवी 11.22 रुपये तक बढ़ सकती है। तो उस स्थिति में, म्यूचुअल फंड योजना ने 12.2%=(11.22-10)/10) X 100 का रिटर्न जेनरेट किया है।

निवेशकों के लिए एनएवी क्यों है प्रासंगिक : नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) एक निश्चित अवधि में धन प्रभाव को दर्शाता है। जैसे अगर किसी फंड का एनएवी 1 साल0 में 100 रुपये से बढ़कर 118 रुपये हो गया है, तो इसे एक वर्ष में निवेश पर 18% रिटर्न के रूप में समझा जा सकता है। शुद्ध संपत्ति मूल्य तुलना की अनुमति देता है। हालांकि आप सीधे एनएवी पर तुलना नहीं करते हैं, आप एनएवी पर उत्पन्न रिटर्न से तुलना कर सकते हैं। इससे एक कैटेगरी के भीतर और विभिन्न श्रेणियों में फंड के चयन में मदद मिलती है। नेट एसेट वैल्यूफंड द्वारा अपने निवेशकों को कम्यूनिकेशन का एक महत्वपूर्ण साधन है कि फंड कैसा प्रदर्शन कर रहा है क्योंकि पोर्टफोलियो का खुलासा केवल मासिक आधार पर होता है।

एडवांस वॉर्निंग सिस्टम : एनएवी निवेशकों के लिए एडवांस वॉर्निंग सिस्टम के रूप में काम कर सकता है। जैसे अगर किसी इक्विटी फंड के एनएवी में बढ़ोतरी या एनएवी में गिरावट सूचकांक के साथ तालमेल से बाहर है, तो निवेशकों के लिए करीब से देखने के लिए कुछ तो है। नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) की गणना प्रतिदिन की जाती है और यह निवेशकों को उनके फंड के प्रदर्शन का आकलन करने में सहायता करती है।

बचत कई तरीकों से निवेश कर तैयार कर सकते हैं मोटा पैसा, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

सही समय पर योजना बनाएं और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनें

बच्चों के भविष्य की नहीं लें टेंशन जल्द शुरू करें निवेश की प्लानिंग

लक्ष्य
बिजनेस डेस्क

अक्सर अभिभवकों को अपने बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा की चिंता रहती है। जैसे बच्चों के भविष्य के लिए कैसे बेहतर से बेहतर जो फाइनेंशियल प्लानिंग की जाए। जिससे बच्चों के भविष्य को बेहतर तरीके से सुरक्षित किया जा सके और खुद भी आर्थिक रूप से सुरक्षित बन सकें। अगर आप भी अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो फिर इसके लिए आपको सही समय पर सही योजना बनाने की जरूरत होती है। निवेश के लिए एक बेहतर योजना तैयार कर जल्द से जल्द निवेश शुरू कर दें। जिससे बच्चे को भविष्य में शिक्षा, स्टार्टअप के लिए पैसे की आवश्यकता पड़े, तो फिर उन बड़े खर्चों को आसानी से पूरा किया जा सके। अभिभावकों को बच्चों के लिए लक्ष्य तय कर निवेश करना होगा। तभी समय रहते बच्चों की शिक्षा या बिजनेस शुरू करवाने के लिए आपके पास अच्छा पैसा होगा। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे पांच ऐसे टिप्स जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे और आपके बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित करेंगे। इसटिप्स से आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए बेहतर फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकते हैं।

पहला जल्द निवेश शुरू करें

जब बच्चा जन्म लेता है। उस समय ही माता-पिता को बच्चे के भविष्य के लिए पैसे की बचत करनी शुरू कर देनी चाहिए। ये तरीका निवेश का एक काफी शानदार तरीका माना जाता है। अगर इस तरह माता-पिता बच्चे के भविष्य के लिए निवेश शुरू करते हैं, तो फिर इससे निवेश के बढ़ाने के लिए उनके पास और अधिक वक्त मिल सकता हैं। साथ ही जो पोर्टफोलियो है, उसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड को भी जोड़ सकते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं। अगर आप इस तरीके को निवेश में आजमाते हैं, तो फिर ये आपको जो बेहतर रिटर्न है उसको हासिल करने में काफी मदद कर सकते हैं। इससे आपको कभी दिक्कत नहीं होगी और आप आसानी से बच्चों भविष्य के लिए आर्थिक प्लानिंग कर सकेंगे।

दूसरा : लक्ष्य तय करें

आपका जो भी निवेश है उसको प्रभावी बनाने का एक बेहतर तरीका है। अगर आप निवेश कर रहे हैं, तो फिर आप पहले तय कर लें कि आप जो निवेश कर रहे है उसको किस खर्च के लिए बचा रहे हैं। साथ ही आप अपने शॉर्ट और लॉन्ग टर्म लक्ष्य हैं उसके हिसाब से पैसे को कहीं निवेश करें।

तीसरा : पोर्टफोलियो में विविधता

निवेश करते समय ध्यान रखें कि आपके पोर्टफोलियो में विविधता हो। किसी एक ही एसेट्स पर भरोसा न करें। निवेश में विविधता लाएं। यह आपके रिटर्न में एक बहुत बड़ा अंतर ला सकता है, क्योंकि देखा गया है कि जो हर वक्त जो एसेट क्लास है। वो अलग तरीकों से काम करती हैं। अगर हम इसको उदाहरण के हिसाब से समझें, तो किसी वर्ष में सोना बेहतर रिटर्न देता है, तो फिर कभी इक्विटी अच्छा रिटर्न देता है।

चौथा : हेल्थ इंश्योरेंस कवर लें

अपने पोर्टफोलियो में आप निवेश को तो शामिल करेंगे ही। इसके साथ ही आपको अपने पोर्टफोलियो में हेल्थ इंश्योरेंस को भी जरूर ही शामिल करना चाहिए। कोरोना महामारी के बाद काफी बड़ी संख्या में ऐसे लोग है। जिन लोगों की इंश्योरेंस के प्रति जो जागरूकता है। वो काफी बढ़ी है। हेल्थ इंश्योरेंस से आप खुद को मेडिकली सुरक्षित महसूस करेंगे। किसी भी बीमारी जैसी आपात स्थिति यह आपके बेहद काम आएगा।

5वां : बच्चों को दें फाइनेंशियल एजुकेशन

अगर आप अपने बच्चों का जो भविष्य है उसको बेहतर और अच्छा बना चाहते हैं, तो फिर आपको अपने बच्चों को फाइनेंशियल एजुकेशन भी देनी चाहिए। उन्हें बचत और निवेश का महत्व बताया जाना चाहिए, ताकि वे भी शुरूआत से ही बचत करें और अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर सकें। अपने बच्चे को सही समय पर पैसे का महत्व समझाएं। अगर आप इन चीजों का ध्यान रखते हैं तो फिर आप अपने बच्चे के भविष्य को बेहतर कर पांएगे और बच्चा भी आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेगा।

खबर संक्षेप

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खाई में वार्षिक उत्सव का आयोजन

फतेहाबाद। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खाई, रतिया का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी वेद सिंह दहिया थे। विद्यालय में पहुंचने पर स्कूल प्राचार्य कृष्णचंद्र वर्मा व स्कूल स्टाफ ने उनका स्वागत किया। इस दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा, खेलकूद व एडवेंचर कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

सिरसा की टीम ने जीती कबड्डी चैंपियनशिप

सिरसा। सीएमके नैशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी में 20 मार्च से 22 मार्च तक आयोजित तीन दिवसीय ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्किल कबड्डी चैंपियनशिप में प्रथम स्थान पर स्वर्ण पदक विजेता रही चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की टीम में शानदार प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के स्पोर्ट्स इंचार्ज विक्रम पूनिया ने बताया कि इस कबड्डी चैंपियनशिप में देशभर के 20 विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया था, जिसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की टीम विजयी रही।

शहीदे-ए-आजम भगत सिंह का जीवन आज भी युवओं को देता है प्रेरणा : सिंह

एमएम पीजी कॉलेज में शहीदों के जीवन पर आधारित पुस्तकों की लगाई प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में मनोहर मैमोरियल पीजी कॉलेज में इतिहास विषय सोसायटी व पंजाबी विभाग द्वारा शहीद भगत सिंह पब्लिक लाइब्रेरी व बुक बैंक फतेहाबाद के सहयोग से विस्तार व्याख्यान और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा शहीद भगत सिंह पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा शहीदों के जीवन पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। भाषण प्रतियोगिता में मुख्य विषय 'भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में क्रांतिकारियों की भूमिका' पर अनेक छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। विस्तार व्याख्यान में मुख्य वक्ता के तौर पर सिरसा से मास्टर बूटा सिंह ने भाग लिया व अध्यक्षता भगवंत सिंह सेठी ने की। मंच संचालन पीजी विभाग के विद्यार्थी रमनीत कौर व इतिहास विभाग से विक्रम सिंह ने किया। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरिन्द्रपाल सिद्धू ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने भी शहीदों को नमन करते हुए देश के लिए दिए गए उनके बलिदान को याद किया।

मुख्य वक्ता मास्टर बूटा सिंह ने कहा कि आज पूरा देश मातृभूमि के लिए अपनी जीवन का बलिदान देने वाले भारत माता के महान सपूत शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को नमन कर रहा है। ये तीनों आजादी के गीत गाते हुए हंसते-हंसते फांदी के फंदे पर झूल गए थे। इनका शौर्य और मातृभूमि की आजादी के प्रति साहस सभी युवाओं को आज भी प्रेरणा देता है। भगवंत सिंह सेठी ने कहा कि इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अंत में प्रो अमनदीप ने सभी अतिथियों व विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी कोहली, होम साईंस विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति नागपाल, संगीत विभाग से डॉ. सीमा शर्मा, पंजाबी विभाग से डा. रजनी वर्मा ने भी अपने विचार रखे।

फतेहाबाद। शहीदी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

फतेहाबाद। शहीदी दिवस पर पौधारोपण करते प्रजापति हीरोज आर्गेनाईजेशन के सदस्य।

शहीदी दिवस पर प्रजापति हीरोज आर्गेनाईजेशन ने चलाया पौधरोपण अभियान

फतेहाबाद। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के शहीदी दिवस पर भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाईजेशन द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने शहर के पाकारें में शहीदों के नाम पर पौधे लगाकर उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आर्गेनाइजेश के जिला अध्यक्ष मुकेश प्रजापति ने कहा कि आज पूरे हरियाणा में भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाईजेशन द्वारा पौधारोपण अभियान चलाकर शहीदों के नाम पौधारोपण किया गया है। उन्होंने कहा कि शहीदों ने जिस आजादी का सपना देखा था, आज भी आजादी अधूरी है। अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं, जिस कारण पर्यावरण दूषित हो रहा है। ऐसे में हमें अपने लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन देने के लिए पौधे लगाने होंगे। इसी के चलते आर्गेनाइजेशन ने शहीदी दिवस पर पौधारोपण करने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर दीपक वर्मा, चिराग वर्मा, महासचिव प्रवीण प्रजापति, कैशियर विनोद प्रजापति, सोनू प्रजापति मताना, गोविंद शर्मा, नरेश धानिया, योगेंद्र, योगेश्वर राजपूत, देव सोनी, राहुल, सुरेंद्र प्रजापति सौत्र भट्ट, जितेंद्र कुमार, दीपक सैनी, मनोज जैन, युवराज जैन, प्रवीण बुडलाडिया, सुरेंद्र मित्तल प्रधान एसएस जैन सभा सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

सिरसा। देशभक्त यादगार लोक केंद्र के सदस्य शहीदों को नमन करते हुए।

देशभक्त यादगार लोक केंद्र ने किया शहीदों को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

देशभक्त यादगार लोक केंद्र ने शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह चौक में कार्यक्रम किया जिसकी अध्यक्षता बार एसोसिएशन पूर्व प्रधान एडवोकेट रमेश मेहता ने की। कार्यक्रम का संचालन हैप्पी बक्शी ने किया। सर्वप्रथम सभी ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रमेश मेहता ने कहा कि मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले भारत माता के महान सपूत शहीद-ए-आजम शहीद भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को पूरा देश आज नमन कर रहा है। ये तीनों वीर जवान देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। इनका शौर्य और मातृभूमि की आजादी के प्रति साहस सभी युवाओं के लिए आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। मेहता ने कहा कि शहीदों की शहादत को जानना आज की पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी प्रवृत्ति को त्यागकर शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलें और अपने देश के विकास में योगदान दें। मौके पर तिलकराज, बलजीत सिंह, शंटी लूथरा, शिंदा रंधावा, मिंटू गिल, रणजीत सिंह, तरसेम गिल, पाल सिंह, भूपिंद्र गिल, अवतार सिंह, लक्की शर्मा, दीप सिंह सागर, संता सिंह, राकेश, गीतू रंधावा, गुरमीत संधु सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

राम नाम के स्मरण से मनुष्य भवसागर से तर जाता

सिरसा। दिव्य 'योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित की जा रही श्रीराम कथामृत के चौथे दिन साध्वी त्रिपदा भारती ने केवट प्रसंग को प्रस्तुत करते हुए बताया कि श्री राम ने केवट से नाव मांगी, पर वह लाता नहीं। वह कहने लगा, मैंने तुम्हारा मर्म (भेद) जान लिया। तुम्हारे चरण कमलों की धूल के लिए सब लोग कहते हैं कि वह मनुष्य बना देने वाली कोई जड़ी है, जिसके छूते ही पत्थर की शिला सुंदर स्त्री हो गई (मेरी नाव तो काठ की है)। काठ पत्थर से कठोर तो होता नहीं। मेरी नाव भी मुनि की स्त्री हो जाएगी और इस प्रकार मेरी नाव उड़ जाएगी, मैं लुट जाऊंगा अथवा रास्ता रुक जाएगा, जिससे आप पार न हो सकेंगे और मेरी रोजी मारी जाएगी। मेरी कमाने-खाने की राह ही मारी जाएगी। एक बार जिनका नाम स्मरण करते ही मनुष्य अपार भवसागर के पार उतर जाते हैं, वही कृपालु श्रीरामचन्द्रजी (गंगाजी से पार उतारने के लिए) केवट का निहोरा कर रहे हैं। कुछ देर के बाद केवट चरणों को धोकर और सारे परिवार सहित स्वयं उस जल (चरणोदक) को पीकर पहले (उस महान पुण्य के द्वारा) अपने पितरों को भवसागर से पार कर फिर आनंदपूर्वक प्रभु श्री रामचन्द्रजी को गंगाजी के पार ले गया।

आरोपी ने स्नेचिंग व चोरी की वारदातों को किया कबूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- पुलिस आरोपी को अदालत मे पेश कर पुलिस रिमांड पर लेगी

स्नैचिंग और चोरी के मामले में सदर टोहाना पुलिस ने एक युवक धर्मपाल उर्फ धर्मा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने 15 छीना छपटी व 14 चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है। इस बारे जानकारी देते हुए थाना सदर टोहाना के प्रभारी देवीलाल ने बताया कि पुलिस ने 9 मार्च को शहर टोहाना थाने में दर्ज चोरी के मामले में धर्मपाल उर्फ धर्मा निवासी बाजीगर बस्ती मनियाना, जिला संगरूर को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने 14 चोरी की व 15 छीना छपटी की वारदातों का कबूल किया। आरोपी को अदालत मे पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपी धर्मपाल उर्फ धर्मा ने गांव जमालपूर शेंखा मे फर्नीचर की दुकान से, इंदिरा कालोनी टोहाना से एक बकरी, 15 दिन पहले चण्डीगढ रोड टोहाना से दो लेपटॉप, एक महीना पहले मुनक पंजाब से एक साइकिल व दो महीने पहले एक मोटरसाइकिल चोरी करने की बात कबूली। इसके अलावा 5-6 महीने पहले पंजाब के पातडा से प्लेटिना मोटरसाइकिल प्लेटिना, एक साल पहले होटल हवेली टोहाना से एक बाईक, अक्टूबर 2023 में रेलवे रोड टोहाना से एक मोटर साईकिल तथा करीब 1 साल पहले टोहाना से दो मोटरसाइकिल, दो महीने पहले चण्डीगढ रोड टोहाना से एक मोटरसाइकिल, एक साल पहले मूनक रोड गांव हमीरगढ से एक दुकान से चोरी की थी। इसके अलावा पुरानी सब्जी मण्डी टोहाना से व हिसार रोड टोहाना से दो बाईक चोरी किए हैं।

आरोपी द्वारा कबूली की गई छीना छपटी की वारदात

पकड़े गए युवक धर्मा ने चोरी के अलावा छीना झपटी की भी वारदातों को अंजाम दिया था। उसने बताया कि चण्डीगढ रोड टोहाना से एक मोबाइल, प्रभाकर कालोनी टोहाना से एक महिला से मोबाइल, कैंची चौक टोहाना पर एक युवक से मोबाइल, 20-25 दिन पहले पंजाब के मूनक से, रतिया रोड टोहाना से, मनियाना रोड रजवाहे के पास युवक से, मनियाना में कपड़ा बेचने वाले युवक से, 20 दिन पहले रेलवे रोड टोहाना से, जींद से आते समय ट्रेन में, लक्कड़ मार्किट टोहाना में, पुरानी अनाज मण्डी टोहाना से, एक महीना पहले जमालपुर रोड टोहाना से, 15-20 दिन पहले मनियाना रोड टोहाना से मोबाइल छीने थे। एक महीना पहले उसने बस अड्डा मूनक पंजाब से एक महिला का पर्स छीना जिसमे चांदी की चैन व 1500 रुपये थे। इसके अलावा 20 दिन पहले लक्कड़ मार्किट टोहाना से एक युवक से पर्स छीना था।

अनोखे ढंग से होली मानते हैं बिश्नोई समाज के लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुभाष सेठी

बिश्नोई समाज के लोग होली पर्व को अपने अनोखे ढंग से मनाते हैं। होली पर्व को लेकर होलिका दहन के दिन 24 मार्च को तो बिश्नोई समाज के लोग शोक रखेंगे क्योंकि इस दिन हिरण्यकश्यप के आदेश से होलिका द्वारा भक्त प्रह्लाद को जलती अग्नि में जलाकर मारना था। इसलिए इस दिन बिश्नोई समाज के लोग मिष्ठान आदि न बना कर सादा भोजन करते हैं व सुतक रखते हैं। भक्त पर जब भगवान की कृपा हुई तो नरसिंह होय हिरणाकस मारयों, प्रहलादो रहियों शरण हमारी अर्थात भगत भगवान की शरण में आ जाता है तो उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता और अगले दिन सुबह जब भक्त प्रहलाद के बचने की सूचना मिलती है तो मंदिर के पुजारी द्वारा मंदिर में सर्वप्रथम प्रहलाद चरित्र की कथा करने उपरांत 120 शब्दों का पाठ कर हवन यज्ञ करके पाहल बनाया जाता है। इस दिन गांव के सबसे आदरणीय व बुजुर्ग व्यक्ति से पाहल बनाने की रस्म अदा करवाई जाती है। होली के दिन पर्यावरण संरक्षण के लिए पानी की बर्बादी न करके, एक दूसरे को नवम प्रणाम करके व कुशलक्षेम पूछकर ही समाज के लोग होली का त्यौहार मनाते हुए खुशी जाहिर करते हैं। इसलिए बिश्नोई समाज को प्रह्लाद पंथी भी कहा जाता है।बिश्नोई सभा सचिव इन्द्रजीत बिश्नोई ने बताया कि विष्णु भगवान ने प्रह्लाद भक्त को वचन दिया था कि मैं कलयुग में जम्भेश्वर भगवान के रूप अवतार लेकर जीवों का उद्धार करूंगा। इसी प्रकार भगवान ने 17 लाख 28 हजार सतयुग प्रमाण सतयुग के पहरे में सोने का घाट, सोने का पाट, सोने का टका और सोने का कलश भक्त प्रह्लाद ने क्लश स्थापित कर पांच करोड़ जीवों का उद्धार किया। इसी प्रकार आगे चलकर 12 लाख 96 हजार त्रेता युग प्रमाण त्रेता युग के पहरे में रूपे का घाट, रूपे का पाट, रूपे का कलश और सोने का टका राजा हरिश्चन्द्र ने क्लश स्थापित कर 7 करोड़ जीवों का उद्धार किया।

12 करोड़ जीवों का उद्धार कर बिश्नोई धर्म की स्थापना की

इसी प्रकार 4 लाख 32 हजार कलयुग प्रमाण कलयुग के पहरे में माटी का घाट, माटी का पाट और माटी का कलश तांबे का टका अंत करो? के मुखी श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान ने कलश की स्थापना कर 12 करोड़ जीवों का उद्धार कर बिश्नोई धर्म की स्थापना की। परम्परा अनुसार आज भी बिश्नोई समाज के मंदिरों में होली के दिन सुबह प्रहलाद चरित्र की कथा करने उपरांत हवन कर पाहल बनाया जाता है और बड़ी श्रद्धा के साथ पाहल ग्रहण कर होली के पर्व की खुशी मनाते है। बिश्नोई समाज में होली के पाहल का बड़ा महत्व है। दूर दराज के इलाकों से भी लोग बिश्नोई मंदिर में जाकर पाहल ग्रहण करते हैं।उन्होंने बताया कि इस कड़ी में 25 मार्च को बिश्नोई मंदिर डबवाली व आसपास गांवों में स्थित सभी बिश्नोई मंदिरों में पाहल बनाने की रस्म अदा की जाएगी। उन्होंने बताया कि डबवाली स्थित गुरु जंभेश्वर मंदिर में 25 मार्च को सूयारेदय पश्चात पुजारी कपिल बावरा द्वारा प्रहलाद चरित्र की कथा व हवन यज्ञ किया जाएगा।

फतेहाबाद। शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते किसान सभा के सदस्य।

किसान सभा ने मनाया शहीदी दिवस

फतेहाबाद। अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा भूना में शहीदे-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का शहीदी दिवस मनाया गया। किसान सभा के सदस्यों ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता कामरेड मुंशीराम चौबारा ने की व संचालन ओमप्रकाश अनेजा ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामस्वरूप ढाणी गोपाल ने कहा कि आज शहीद भगत सिंह के विचारों और उनकी सोच को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश में आज ऐसे लोग सत्ता में है जो शहीद भगत सिंह और उनके विचारों को नहीं मानती। भाजपा सरकार आज देश को सार्वजनिक सम्पतियों को बेचा जा रहा है। पूंजीपतियों से चंदा लेकर देश को उनके हाथों में सौंपा जा रहा है। भाजपा देश को पूंजीपतियों का गुलाम बनाना चाहती है जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने लोगों से शहीदों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए अपने हकों, अधिकारों को लेकर संघर्ष करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मास्टर ओमप्रकाश चौबारा द्वारा शहीद भगत सिंह के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

रक्तदान कर युवाओं ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहीदी दिवस के अवसर पर शहीद भगत सिंह युवा संगठन मताना व कुम्हार महासभा मताना फतेहाबाद की ओर से ग्राम पंचायत मताना के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर सिरसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ. अशोक तंवर व फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विनोद स्वामी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव ठाकुर भवानी सिंह, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह रहनवाली, लघु एवं कुटीर उद्योग हरियाणा के चेयरमैन सर्वजीत मान, समाजसेवी सीताराम सुथार खाराखेड़ी, भाजपा के जिला महामंत्री अशोक जाखड़, एडवोकेट मनोज कुश हिसार व भाजपा नेता प्रवीन जोड़ा मौजूद रहे। गांव मताना के सरपंच दलबीर वर्मा एडवोकेट ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि युवा ही देश का भविष्य है। युवाओं को आगे आकर देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर भारत के प्रसिद्ध जादूगर एमएस सम्राट द्वारा प्रस्तुत किया गया मैजिक शो विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। इस अवसर पर कुम्हार महासभा फतेहाबाद के प्रधान ईश्वर सिंह धांगड़, शहीद भगत सिंह युवा संगठन मताना के प्रधान राजेश शास्त्री, कोषाध्यक्ष होशियार सिंह, पंच कमल किशोर वर्मा, चन्द्रमोहन वर्मा, रणधीर वर्मा, कृष्ण खटक, एडवोकेट टेकचंद वर्मा, एडवोकेट रामरतन वर्मा, एडवोकेट जिले सिंह वर्मा, विजय वर्मा, कपूर सिंह, राधेश्याम कुलचानियां, गुलाब भोभरिया, सूरत सिंह वर्मा पूर्व सरपंच, रामनिवास वर्मा, सुभाष जोनी, प्यारे लाल, मास्टर जोगिन्द्र वर्मा, रमेश वर्मा, कान्हा अनिल वर्मा, मनरेगा मेट राधेश्याम व अनिल वर्मा आदि मौजूद रहे। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

फतेहाबाद। गांव मताना में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यअतिथि डॉ. अशोक तंवर को स्वागत करते प्रधान एडवोकेट दलबीर वर्मा व अन्य सदस्य।

फतेहाबाद। चौकी इंचाजार्ें की बैठक में निर्देश देते शहर थाना प्रभारी रणजीत सिंह।

होली को लेकर शहर थाना प्रभारी ने चौकी इंचार्जों की ली बैठक

फतेहाबाद। होली पर्व को लेकर शनिवार को फतेहाबाद शहर थाना प्रभारी रणजीत सिंह ने आज अपने कार्यायल में सभी चौकी इंचाजार्ें एवं अनुसंधान कर्ताओं की बैठक ली और होली पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से करवाने हेतु, निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी ने कहा कि शहर में किसी प्रकार होली पर्व पर कोई घटना न घटे, इस संबध में पुलिस अपने अपने क्षेत्र में गश्त बढ़ा कर हर एक गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए। आने-जाने वाले वाहन जिसमें बिना नंबर प्लेट के दिखाई दे तो उनकी गहनता से जांच की जाए। थाना प्रभारी ने शहर वासियों से अपील करते हुए कहा कि होली पर्व आपसी प्रेम और भाई चारे के प्रतीक माना जाता है। इस पर्व को शांतिपूर्ण ढंग मनाए। अगर आपके आस पास कोई ऐसा संदिग्ध शरारती तत्व नजर आए तो तुरंत डायल 112 या स्थानीय पुलिस को सूचना दे।

लोस चुनाव को लेकर कंट्रोल रूम में मिलेगी नागरिकों को चुनावी संबंधी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल ने बताया कि जिला के नागरिकों की सुविधा व लोकसभा आम चुनाव के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का नंबर 01667-230013 है। यह 24 घंटे व सातों दिन कार्य करेंगा। कोई भी मतदाता एवं आम नागरिक कंट्रोल रूम में लोकसभा आम चुनाव के संबंध में जानकारी ले सकता है। इस कंट्रोल रूम का जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी रविंद्र दलाल को नोडल अधिकारी व जिला एमएसएमई के सहायक निदेशक गुरप्रताप सिंह को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शत प्रतिशत मतदान करने के लिए अहम भूमिका निभाएं

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों व आम नागरिकों से अपील की है कि वे स्वतंत्र निष्पक्ष, स्वच्छ व शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन को अपना पूर्ण सहयोग दें। उपायुक्त ने जिला वासियों से भी आग्रह किया है कि वे शत प्रतिशत मतदान करने के लिए अपनी अहम भूमिका निभाये और लोकतंत्र प्रणाली को और ज्यादा मजबूत बनाये।

उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनावों की तिथियों की घोषणा कर दी है, जिसके साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आदर्श चुनाव आचार संहिता की पूर्ण ईमानदारी से अनुपालना करें। चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार की कोई सहायता व शिकायत के लिए कंट्रोल रूम के नंबर 01667-230013 पर संपर्क कर सकते हैं। कंट्रोल रूम में अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। इसके अलावा प्रशासन द्वारा लोगों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर-1950 भी जारी किया गया है। इसलिए अगर किसी मतदाता को चुनाव से संबंधित कोई भी जानकारी लेनी है या देनी है तो वह हेल्पलाइन नंबर-1950 पर कॉल कर सकते हैं।

खेल गतिविधियों से युवाओं को नशे से दूर रहने को कर रहे प्रेरितः एसपी

छतरियां, किराड़कोट व दौलतपुर खेड़ा नशा मुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे सामाजिक आंदोलन में प्रत्येक व्यक्ति अपनी अहम भूमिका निभाएं तथा जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके। यह बात पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बड़ागुढा थाना क्षेत्र के गांव छतरियां में आयोजित नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं, क्षेत्र के सरपंचों तथा आमजन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बड़ागुड़ा थाना क्षेत्र के तीन गांवों छतरियां, किराड़ कोट तथा दौलतपुर खेड़ा को नशा मुक्त घोषित किया। आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों ने ग्रामीण युवाओं के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के मैच लगाकर उन्हें नशा मुक्ति का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिला पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ लगातार जोरदार अभियान चलाए हुए हैं, परंतु इस अभियान की संपूर्ण कामयाबी के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी अग्रणी भूमिका निभानी पड़ेगी।

सिरसा। गांव छतरियां में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते एसपी विक्रांत भूषण।

ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि नशा का कारोबार करने वाले लोगों की बगैर किसी झिझक के पुलिस को सूचना दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा तथा खेलों से नाता जोड़े तथा अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने मां-बाप तथा अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार, उप निरीक्षक अजय कुमार, सुरक्षा शाखा प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक प्रेम कुमार तथा गांव छतरियां के समाजसेवी विजय कुमार सहित क्षेत्र के अनेक सरपंच, ग्रामीण तथा युवा मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विधायक अमित सिहाग ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

डबवाली। विधायक अमित सिहाग ने आज शहीदी दिवस पर शहीदी चौक पर जाकर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। यह जानकारी देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अमन भारद्वाज ने बताया कि इस अवसर पर नेता प्रकाश चंद बंसल, शहर कांग्रेस प्रधान पवन गर्ग, पूर्व पार्षद विनोद बंसल, इंद्र जैन सचिव हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल,विजय वर्मा डेलीगेट हरियाणा प्रदेश कांग्रेस, राकेश वाल्मीकि सहित आदि रहे।

घर में सेंध लगाकर चुराया हजारों का सामान

सिरसा। जिला के गांव अभोली में एक बंद मकान से चोर हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक मंगू ने बताया कि उसकी बेटी बीमार थी, जिसे उसने सिरसा अस्पताल में दाखिल करवा रखा था। परिवार के लोग भी अस्पताल में ही थे।

कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

सिरसा। जिला के गांव रोहण के बस स्टेंड पर कार ने सड़क किनारे कुर्सी पर बैठे बुजुर्ग को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक हादसे के बाद मौके से भाग गया। गांव देसुखुर्द निवासी कुलदीप सिंह ने बताया कि 22 मार्च को वह अपने पिता हरबंस के साथ चैनेवाला पंजाब में शादी समारोह में शिरकत करनेके लिए जा रहे थे।

रोडवेज जीएम से 27 को मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

फतेहाबाद। रोडवेज कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरा करने तथा अन्य समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर रोडवेज संयुक्त कर्मचारी का प्रतिनिधिमंडल 27 मार्च को जीएम से मिलेगा। यह निर्णय संघ की डिपो व सब डिपो कमेटी द्वारा आयोजित बैठक में लिया गया। संघ के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान कुलदीप पाबड़ा, राज्य कोषाध्यक्ष सुभाष बिश्नोई, डिपो प्रधान व टोहाना सब डिपो प्रधान ने कहा कि 13 अप्रैल को हिसार मुख्यालय पर संघ का स्थापना दिवस बडी धूमधाम से मनाया जाएगा।

खिल उठे औपक्स कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों के चेहरे

साल भर की मेहनत के रूप में आया परीक्षा परिणाम

अभिभावक अपने बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम को लेकर काफी उत्सुक थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अपैक्स कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अभिभावक। *फोटो : हरिभूमि*

अपेक्स कान्वेंट स्कूल में शनिवार को वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन भी किया गया। इस दौरान सभी बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया और अपने-अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड प्राप्त किए। बैठक में सभी कक्षाओं के शिक्षकों द्वारा उनके बच्चों के साल भर के क्रिया कलापों एवं उसके शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास के बारे में चर्चा की गई। अभिभावक अपने बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम को लेकर काफी उत्सुक थे।

सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम उत्कृष्टता 2024 के रूप में घोषित किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक कक्षा में उच्चतम रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह व उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य उमंग कक्कड़ ने बताया कि अपेक्स कॉन्वेंट में छात्रों की व्यक्तिगत रुचियों व गतिविधियों को मध्यनजर रखते हुए उनके समग्र विकास पर ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा पाठ्यक्रम को सुगम व रुचिकर बनाने के लिए अत्याधुनिक साधनों का प्रयोग किया जाता है ताकि बच्चे आसानी से पाठयक्त्रम को समझ सकें। विद्यार्थी अपनी उपलब्धियों का विवरण सोशल मीडिया पर भी अपलोड कर पाए, इस उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के फोटो शूट के लिए एक सेल्फी प्वाइंट का प्रबंध किया गया जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने शिक्षक-अभिभावक के साथ अकैडमिक रिगेलिया में फोटो करवाई और 360 डिग्री फोटोशूट का आनंद लिया। इस अवसर पर अभिभावक व छात्रवर्ग बहुत प्रसन्न दिखाई दिए। स्कूल निदेशक अमित मक्कड़ ने अभिभावकों से बात करते हुए बताया कि जूनियर ब्लॉक में छात्रों के यूनिक टैलेंट को देखते हुए सभी छात्रों को तथा सीनियर ब्लॉक में छात्रों के गत प्रदर्शन में सुधार को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया है। स्कूल निदेशक ने बताया कि प्रत्येक बच्चा एक अद्वितीय गुणवत्ता से परिपूर्ण होता है। कुछ बच्चे अकैडमिक, कुछ गेम्स, कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि में विशेष गुण रखते हैं और कुछ में साहित्यिक विशेषताएं भी होती हैं, इसलिए हम सब का कर्तव्य है कि किसी विशेष क्षेत्र में प्रीवियस परफॉर्मेंस में सुधार हेतु उनका मार्गदर्शन किया जाए और उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाए।

वायुसेना स्टेशन में रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। शिविर में रक्तदान करते हुए अधिकारी व कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

शिव शक्ति ब्लड सेंटर सिरसा के संयुक्त सहयोग से स्टेशन मेडिकेयर सेंटर वायुसेना स्टेशन सिरसा में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एयर कोमोडोर रमन गोयल मुख्यातिथि थे। मुख्यातिथि ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्तदान जैसा कोई अन्य दान नहीं है। शिविर की मुख्य समन्वयक स्क्वाड्रन लीडर तपस्या बिश्नोई के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 71 रक्तदाताओं ने रक्तदान के लिए अपना पंजीकरण करवाया। सार्जेंट अजय शिविर में आयोजक सचिव थे। शिव शक्ति ब्लड सेंटर के निदेशक डॉ. आर.एम. अरोड़ा के नेतृत्व में सभी रक्तदाताओं की चिकित्सकीय जांच की गई। जांच के पश्चात 65 अधिकारियों व कर्मचारियों ने रक्तदान किया। डॉ आर.एम. अरोड़ा व कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार जैन ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अंत में स्क्वाड्रन लीडर तपस्या बिश्नोई को ब्लड सेंटर की ओर से निदेशक डॉ. आरएम अरोड़ा ने स्मृति चिन्ह भेंटकर आभार व्यक्त किया।

स्वीप गतिविधियों के तहत जिला में आयोजित होंगी वर्कशॉप और अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला फतेहाबाद में लोकसभा आम चुनाव में ज्यादा से ज्यादा पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के तहत वर्कशॉप और अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएगी। इस दौरान नागरिकों को रिसोर्स पर्सन द्वारा मतदान करने की प्रक्रिया बारे जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राहुल मोदी ने इस बारे विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि स्वीप गतिविधियों के तहत खेल प्रशिक्षकों, नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवकों व कॉलेज में एनएसएस व एनसीसी इंचार्ज और कैंपस अंबेसडर के लिए निर्धारित शैड्यूल अनुसार वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। इस दौरान स्वीप रिसोर्स पर्सन देवेंद्र सिंह चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि जिला के स्कूलों में लोकतांत्रिक भागीदारी, मतदान अधिकार, जागरूक मतदाता व एथिकल वोटिंग थीम पर कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 26 मार्च को स्लोगन राइटिंग, 27 मार्च को पोस्टर मेकिंग, 28 मार्च को मेहंदी व 29 मार्च को पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई जाएगी। 27 मार्च को खेल विभाग के खेल प्रशिक्षकों व नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवकों तथा 29 मार्च को जिला के सभी कॉलेज के एनसीसी व एनएसएस इंचार्ज, कैंपस अंबेसडर के लिए वर्कशॉप आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि खेल विभाग द्वारा 5 अप्रैल को भोडिया खेड़ा स्टेडियम, 6 अप्रैल को बैजलपुर, 8 अप्रैल को डीपीआरसी हॉल, 9 अप्रैल को राजकीय कॉलेज भूना, 10 अप्रैल को शमशेर अखाड़ा नहला, 12 अप्रैल को जीएसएसएस नहला, 15 अप्रैल को आईजी राजकीय कॉलेज टोहाना, 16 अप्रैल को आरजीजीकेपी समैण तथा 18 अप्रैल को जीएसएसएस चिंदड़ तथा नेहरू युवा केंद्र द्वारा 29 मार्च व 18 अप्रैल को खंड फतेहाबाद, 30 मार्च व 19 अप्रैल को खंड भट्टू कलां, 31 मार्च व 20 अप्रैल को खंड भूना, एक व 21 अप्रैल को खंड जाखल, 2 व 22 अप्रैल को खंड रतिया, 3 व 23 अप्रैल को खंड टोहाना तथा 4 व 24 अप्रैल को खंड नागपुर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करवाए जाएंगे।

देश में वोट के शासन, प्रजातंत्र व संविधान को खत्म करने की तैयारी की जा रही

- भाजपा ने हरियाणा में अपना मुख्यमंत्री बदलकर पिछले साढ़े नौ सालों की विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार हिंदुस्तान के संविधान और प्रजातंत्र को रौंद रही है। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को डराने और जेल भेजने का काम मोदी सरकार कर रही है। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन इसके ताजा उदाहरण हैं। वह शनिवार को फतेहाबाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ. विनीत पुनिया के कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। हरियाणा महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष कृष्णा पूनिया व डॉ.विनीत पूनिया उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने शहीदी दिवस के अवसर पर महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह जी, राजगुरु जी और सुखदेव जी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। सुरजेवाला ने कहा कि आज वोट की ताकत को कमजोर करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। देश में वोट के शासन, प्रजातंत्र व संविधान को खत्म करने की तैयारी की जा रही है। जांच एजेंसी सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग चुनाव लड़ने की मशीनरी बन गई है। इसी तरह चुनाव आयोग की स्वायत्तता को ही खत्म कर दिया गया है। कांग्रेस ही देश में प्रजातंत्र बचाने की लड़ाई लड़ सकती है। इस बार का लोकसभा चुनाव तय करेगा कि इस देश में प्रजातंत्र खत्म हो जाएगा या बचा रहेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना में भी घोटाले को अंजाम दिया। इलेक्टोरल बॉन्ड योजना से भाजपा वसूली रैकेट चला रही थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के समय भी इतने अमीर लोगों का राज नहीं था, जितना आज के समय में है। आज के हिंदुस्तान में कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास सारा पैसा है।

श्रीकृष्ण गोशाला का 17वें वार्षिक महोत्सव मनाया

- श्रीमद्भागवत कथा में पहुंचकर अनिल ज्याणी ने गौ ऋषि स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज से लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव बड़ोपल में समाजसेवी अनिल ज्याणी को सम्मानित करते गौ ऋषि स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज। *फोटो : हरिभूमि*

गांव बड़ोपल स्थित श्रीकृष्ण गौशाला के 17वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में प्रमुख समाजसेवी एवं फतेहाबाद विधानसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके स्वास्तिक सामाजिक संगठन के प्रधान अनिल ज्याणी ने भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम में गौ ऋषि स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज और गांव के बड़े-बुजुगार्ें से आशीर्वाद लिया। गौशाला प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने अनिल ज्याणी का कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वागत किया वहीं स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अनिल ज्याणी में कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों से जहां सामाजिक सद्भाव बढ़ता है वहीं लोगों में गौसेवा की भावना भी बढ़ती है। उन्होंने समाज की खुशहाली के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बेहद जरूरी है। अनिल ज्याणी ने गांव के युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि युवाओं को नशे की बजाय शिक्षा, खेलों के साथ-साथ सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। नशा न केवल युवा पीढ़ी का भविष्य खराब कर रहा है वहीं यह उसके परिवार व समाज के लिए भी खतरनाक है। उन्होंने ग्रामीणों को श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन पर बधाई दी और गौसेवा को लेकर किए जा रहे कायारें् की जमकर सराहना की।

खेलों में भी है करियर की अपार संभावनाएंः राजेश

सिरसा। ग्राम पंचायत साहुवाला द्वितीय के स्व. सरपंच प्रतिनिधि सतपाल राव की याद में युवा क्लब साहुवाला द्वितीय और सभी सरपंचों के सहयोग से आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पी सी सी डेलीगेट्स राजेश चाडीवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस मौके पर राजेश चाडीवाल ने कहा कि खेल मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा है। खेलों के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। चाडीवाल ने कहा कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी नशे के बढ़ते प्रचलन का शिकार होकर गलत रास्ते पर जा रही है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए इस प्रकार के खेल आयोजन गांव स्तर पर लगातार करवाने की आवश्यकता है। खेलों से न केवल युवाओं का स्वास्थ्य सही रहेगा, बल्कि वे अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन करते हुए अपना भविष्य भी स्वर्णिम बना सकते हैं। चाडीवाल ने कहा कि खेलों में भी करियर की अपार संभावनाएं हैं। कांग्रेस सरकार ने खिलाडियों के लिए अनेक नीतियां बनाई थी। उन्होंने आयोजक कमेटी को खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए बधाई दी और भविष्य में इसी प्रकार से आयोजन करवाने का आह्वान किया। आयोजक कमेटी की ओर से मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। पूर्व सरपंच बलजीत राव, उदयपाल राव, प्रभु राव, कुलदीप चाहर, राजेश सोनी, कुलदीप गढ़वाल सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने धरनास्थल पर मनाया शहीदी दिवस

- सभी ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ग्रामीण धरना स्थल पर शहीदी दिवस मनाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

मेजर नहर से डेरा सच्चा सौदा को पाइप लाइन देने के विरोध में करीब 80 दिनों से धरनारत दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने शनिवार को धरनास्थल पर ही शहीदी दिवस मनाया। सभी ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बाजेकां सरपंच कुलबीर कौर कंग, मा. बीर सिंह, राजकुमार शेखुपुरिया, मा. कुलदीप, हीरा सिंह, भरत सिंह झाझड़ा, सुक्खा सिंह, गुरादित्ता, राजेंद्र कंग, रामकुमार राड़ फूलकां, जगदीश खीचड़ फूलकां, जयमल सिंह सिकंदरपुर ने एक स्वर में कहा कि शहीद भगत सिंह के विचारों की आज भी प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानी सदैव युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगी। देश के उन शूरवीरों को कभी नहीं भुलाया जा सकता, जिन्होंने अपनी शहादत देकर देश की माटी का कर्ज अदा किया। ऐसे वीरों को सम्मान देते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाने का संकल्प हम सभी को लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होता, मोर्चा जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस मोघे के कारण गांव बाजेकां, फूलकां, नेजियाखेड़ा, खाजाखेड़ा, शाहपुर बेगू, कंगनपुर, वैदवाला व सिकंदरपुर आदि गांवों के लोग प्रभावित होंगे, इसलिए मोघा रद्द होने के बाद ही धरना समाप्त किया जाएगा। इस अवसर पर गांव बाजेकां में पार्क की आधारशिला रखी गई, जिसका नामकरण शहीदों के नामों से किया जाएगा। इस अवसर पर दर्जनों गांवों के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बीएड कॉलेज में विद्यार्थियों ने मनाई तिलक होली

फतेहाबाद। मनोहर मैमोरियल शिक्षण महाविद्यालय में आज होली के अवसर पर तिलक होली मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों ने एक दूसरे को तिलक कर होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों व स्टाफ ने शपथ ली कि वह होली खेलते हुए पानी व कैमिकल युक्त पक्के रंगों का प्रयोग नहीं करेंगे। गर्मी से बचाने के लिए पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करेंगे व प्लास्टिक में झूठा बचा हुआ भोजन डालकर नहीं फेंकेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति व प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने सभी स्टाफ सदस्यों व कर्मचारियों को होली रंगोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि तिलक होली मनाने से जहां पानी की बचत होती है वहीं इससे लाखों जीव-जंतु और प्राणियों के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों ने केमिकल युक्त रंगों की बजाय हर्बल रंगों से होली खेलने का संकल्प लिया व अपने आस- पड़ोस के लोगों को जागरूक करने की बात कही। सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने एक दूसरे को तिलक लगाकर होली की बधाई दी।

विधायक देवेन्द्र बबली ने बलिदानी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

पूर्व पंचायत मंत्री एवं टोहाना के विधायक देवेंद्र सिंह बबली ने शनिवार को शहादत दिवस के अवसर पर मातृभूमि के प्रति अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले, महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व मंत्री ने शहीद भगत सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट टोहाना द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर, ग्राम पंचायत दीवाना में क्रिकेट टूर्नामेंट और रक्तदान शिविर, शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स क्लब रत्ताखेड़ा, मेरा देश मेरा गांव युवा संगठन गांव टिब्बी द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रम में शिरकत की और शहीदों को याद किया। उन्होंने अपूर्वा फाउंडेशन टोहाना में दिव्यांग बच्चों के साथ होली भी मनाई। पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि भारत मां के वीर सपूत, महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की शहादत ने करोड़ों युवाओं को स्वाधीनता आंदोलन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कहा कि देशभर में हर साल 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत के तीन महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसत अपने प्राणों की आहुति दे दी। वे अपने समय के समाजवादी क्रांतिकारी माने जाते थे। वे लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं।

शर्मा परिवार ने स्व. रेखा शर्मा के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया

रेखा शर्मा की स्मृति में हवन का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। स्व . रेखा शर्मा के जन्मदिवस पर बंसीवट मंदिर में हवन यज्ञ करते हुए परिजन।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्व. होशियारी लाल शर्मा की पुत्रवधु स्व. रेखा शर्मा के जन्मदिवस पर शनिवार को बंसीवट मंदिर में हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। स्व. रेखा शर्मा के पति राजकुमार शर्मा व पुत्र मोहित शर्मा सहित राजेश शर्मा, प्रेम शर्मा, हीरालाल शर्मा, पं. सुगनचंद शर्मा समस्त शर्मा परिवार ने हवन में आहुति डाली। शर्मा परिवार ने स्व. रेखा शर्मा के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। इस दौरान मोहित शर्मा ने नम आंखों से अपनी दिवंगत माता को याद करते हुए कहा कि उनकी माता जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहतीं थी। धार्मिक व सामाजिक कायारें् में वे हमेशा बढ़चढ़कर भाग लेतीं थी। उन्हीं के दिए संस्कार व सेवाभाव से प्रेरित होकर पूरा परिवार समाज भलाई के कायारें् में जुटा हुआ है। वहीं राजकुमार शर्मा ने कहा कि स्व. रेखा शर्मा की स्मृति को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए और समाजसेवा का पावन कार्य निरंतर जारी रखने के मकसद से बनाए गए ट्रस्ट द्वारा अब तक कई निशुल्क मेगा मेडिकल शिविर के अलावा निशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर लगाए जा चुके हैं। इस दौरान आयोजित भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र से पहुंचे राजनीतिज्ञ, समाजसेवी, सरपंचों, पूर्व सरपंचों, पार्षदों, पूर्व पार्षदों, व्यापारियों आदि समाज के हरेक वर्ग ने स्व. रेखा शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक शीशपाल केहरवाला, पूर्व सांसद डॉ. सुशील इंदौरा व चरणजीत रोड़ी, पूर्व विधायक भरत सिंह बैनीवाल, गोबिंद कांडा, जगदीश चोपड़ा, वीरभान मेहता, सुभाष जोधपुरिया, पूर्व विधायक बलवान दौलतपुरिया, पूर्व सीपीएस प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा, संदीप नेहरा, अमीर चावला, जग्गा बराड़, जसवंत आदि मौजूद थे।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

तन रंग लें-मन रंग लें

जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लौकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'*

या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए

ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/ अवध में होली खेले रघुबीरा।

नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

उल्लासोत्सव

कुमार राधारमण

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

रंग-उमंग-तरंग समेटे

विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटाः फाल्गुन

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती हैं और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

कृषि से भी है संबंधितः यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूपः समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

आत्मप्रेरणा

राजयोगी बीके निकुंज जी

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम सेः इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसरः हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भः पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंढला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थः विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-

हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

कुंडलियां

श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम कै, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

लघुकथा / अशोक वाधवाणी

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग को इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

फागुन के दिन चार रे रसिया

होली के स्वरूप में भले ही अब काफी कुछ बदल चुका है। लेकिन इस पर्व का मूल स्वरूप लोकसंस्कृति, पुराण, प्रकृति परिवर्तन और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ा है। रंगोत्सव, हमें न केवल अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज से जोड़ता है, साथ ही अपने गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर और लोकरंग से भी संबद्ध करता है।

लोकपर्व
सुधा रानी तैलंग

जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भरने, रंगों का त्योहार होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और प्रीत राग की बौछार लेकर आया है। रंग पर्व के स्वागत में अमलतास और पलाश के पेड़, पुष्प गुच्छों से आच्छादित हो गए हैं। आम के पेड़ों पर बौर आ गए हैं। हर ओर प्रकृति वसंत के उत्सव में मगन नजर आ रही है।

सुनाई देते हैं फाग के मोहक सुर

वसंत ऋतु के आते ही समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है। माघ शुक्ल पंचमी से ही ग्रामीण अंचलो में फाग गाना शुरू हो जाता है। वैसे होली के त्योहार का विधिवत आरंभ वसंत पंचमी से हो जाता है। तभी से लेकर होली तक हर उत्सवप्रेमी मन मौज-मस्ती, रंग, अबीर, ढोल-मजीरे की थाप के संग पुलकित,चंचल हो उठता है। मन गुनगुनाने लगता है, *अब दिन आए वसंती नीरे।*

हास-परिहास संग संगीत का उत्सव

होली हास-परिहास, मौज-मस्ती, व्यंग्य-विनोद का उत्सब है। अबीर- गुलाल के रंगों की इंद्रधनुषी फुहार, टेसू के केसरिया रंग, भांग, ठंडाई और गुझियों की मिठास के संग होली के हुरियारों और मसखरों की टोली, घर-घर से लकड़ियां और चंदा मांगते बच्चे, ढोल, डफली, झांझर और मांदल के उमगते सुरों में फाग के फड़, फगुआ, होरी गारी गीत और लोक गीतों की सुर संगीत लहरियों के संग, चहुंओर उल्लास और खुशियों के रंग भर देती है। खासकर ग्रामीण अंचल में फागें समूचे परिवेश को रंगमय-संगीतमय कर देती हैं-

फागुन आयो फागुन आयो रे,
रंग दे रसिया,
होली खेलूं रसिया, फागुन आयो।

तन-मन हो उठता है पुलकित

फागुन की दस्तक ही तन-मन को पुलकित कर देती है। होली में रंग-गुलाल की मस्ती छा जाती है। होली के दिन, लोग एक-दूजे को गले लगाते गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हैं और सामाजिक समरसता, सद्भाव के रंग बिखेरते हुए मजीरों की थाप पर जमकर थिरकते हैं। होली में युवाओं के संग बच्चों और बड़ों का हुजूम गलियों, चौराहों और सड़कों में मस्ती, उल्लास और उत्साह के संग चारों ओर सतरंगी रंगों को बिखेरता हुआ दिखाई देता है। बच्चों की टोली की मौज-मस्ती, हुड़दंग के संग एक-दूजे पर पिचकारी के रंगों की बौछार से समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है।

जुड़ी हैं कई सांस्कृतिक मान्यताएं

भारतीय संस्कृति में होली का पौराणिक महत्व भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य का प्रतीक लोक पर्व भी है। पुराणों के अनुसार प्रथम पुरुष मनु का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था। इसीलिए इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। भगवान शंकर के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म करने के कारण इसे मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। प्रकृति के अंगड़ाई लेते ही वसंत उत्सव के बाद नए अनाज के आगमन की खुशी में नव शस्येष्टि पर्व के रूप में मनाए जाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो में भी मिलता है। होलिका दहन वैदिक सोम यज्ञ की परंपरा का वाहक है। फाल्गुन पूर्णिमा पर अन्न पकने पर जौ और गेहूं की बालियों को देवताओं को समर्पित करने के बाद ही उपभोग करने की परंपरा रही है। यह परंपरा आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। साथ ही होली में मंत्रोच्चारण के साथ गेहूं, चने की बालियां, नव अन्न के साथ धृत, पुष्प, जड़ी-बूटियां, गोबर के उपले, कंडे और सुगंधित द्रव्यों को अग्नि में समर्पित कर वातावरण को शुद्ध, परिष्कृत करके धूम्र कण बादलों को आमंत्रण देते हैं और वर्षा होती है। साथ ही होलिका दहन से अहंकार, ईर्ष्या और बुराइयों का विसर्जन होकर समूचे परिवेश मे सौहार्दता और प्रेम का बातावरण निर्मित होता है।

मथुरा में फूलों वाली होली खेलते स्थानीय लोग

विश्वप्रसिद्ध ब्रज मंडल की होली

होली का लोक पर्व पूरे देश में कई तरह के रंग बिखेरता है। लेकिन विशेष रूप से इस पर्व का ब्रज से गहरा नाता है। मथुरा, वृंदावन, ब्रज मंडल के मंदिरों में फाग के रंगों की फुहार और फूलों की बौछार तो समूचे विश्व के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बरबस ही आकर्षित करती है। जिस तरह द्वापर युग में ब्रज में होरी खेलते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके सखा, गोपियों के संग राधा को रंगों में सराबोर कर देते हैं। वो परंपरा आज भी चली आ रही है।

रंगोत्सव और उसमें निहित संदेश

होली के रंग जीवन में खुशियों के रंग भर देते हैं, चारों ओर, प्रेम, एकता के रंग बिखर जाते हैं। वैर भाव छोड़ सब एक-दूजे को प्रेम के रंग से रंग देते हैं। स्नेह प्रेम रंग में रंगे प्रेमी के लिए पूरा संसार ही रंगमय हो जाता है। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी में उड़ती गुलाल और अबीर से पूरा आसमान ही सतरंगा हो जाता है। तभी तो हुरियारे कह उठते हैं, उड़त गुलाल लाल भए अंबर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार होली में समूचे आसमान में गुलाल, अबीर का रंग उड़ाने से रजोगुण और तमोगुण के प्रभाव कम होकर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। मान्यता है, इस दिन रंग और अबीर से खेलने पर नकारात्मकता का विनाश होता है और निराशा दूर होती है। मन के विकार दूर होते हैं। चारों ओर सकारात्मक प्रवाह आता है। गुलाल के स्पर्श से लोगों के व्यक्तित्व और विचारों में सकारात्मकता आती है। होली के रंग हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने और दूसरों के जीवन को भी खुशियों से सराबोर रखें। *

उल्लास
भूपसिंह 'भारती'

होळी की खुम्मारी

बरसाओ रंग-गुलाल, होळी सै मतवारी।
होळी म्हं कस कै मार, यार तू पिचकारी।।
खेलै होळी छैल-छबीली,
गोरी हो गई रंग-रंगीली,
अंगिया काळी-पीळी, हुई बलमा म्हारी।
फागण आयो यो मस्तानों,
मस्त अदा कर री दीवानों,
दूंगी भोत उल्हाणों, करी जो बदकारी।

बलमा खेलण आयो होळी,
कस कै भरली मोरी कोळी,
रंगग्यो दामण चोली, मार कै पिचकारी।
होळी को यो गजब अखाड़ों,
बजै 'भारती' ढोल नगाड़ों,
माड़ो होग्यो जाड़ो, होळी की खुम्मारी।

रंगों का संबंध केवल होली खेलने से ही नहीं होता है। कौन-सा रंग आपको पसंद है, इससे आपके मिजाज और व्यक्तित्व के राज का भी पता चलता है, कैसे बता रहे हैं आपको।

रंगों की पसंद बताती है आपके मिजाज का राज

पर्सनालिटी
शिखर चंद जैन

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों की मानें तो किसी व्यक्ति की रंग की पसंद से उसके व्यक्तित्व और स्वभाव का काफी हद तक पता लगाया जा सकता है।

सफेद रंगः सफेद रंग अधिक पसंद करने वाले दूरदर्शी और आशावादी माने जाते हैं। ये लोग प्लानिंग करने में माहिर होते हैं, इसीलिए अधिकतर कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग वर्कलाइफ और पर्सनल लाइफ में अच्छा बैलेंस बनाए रखते हैं। जो सफेद रंग पसंद करते हैं, वे शांति प्रिय होते हैं। नए लोगों से जल्दी मित्रता नहीं बढ़ाते हैं। किसी भी नए स्थान पर या नए लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करते क्योंकि ये संकोची स्वभाव के होते हैं।

लाल रंगः लाल रंग पसंद करने वाले हमेशा सजग रहते हैं। इनके जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व होता है। ये लोग अच्छे प्रेमी सिद्ध हो सकते हैं। लाल रंग उत्साह और जोश का प्रतीक है और इसी वजह से इसे पसंद करने वाले जोशीले होते हैं। ये लोग जीवन को पूरे उत्साह के साथ जीते हैं। दूसरों के स्वभाव को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और स्वयं को उसके मुताबिक एडजस्ट कर लेते हैं।

पीला रंगः पीले रंग के शौकीन आमतौर पर हंसमुख स्वभाव वाले होते हैं। ये जीवन को सकारात्मक रूप में जीते हैं। ये लोग नए विचारों को अपनाने में यकीन रखते हैं। खुले मन के होने के कारण ये दूसरों को सही मार्गदर्शन देते हैं। सभी की मदद के लिए तैयार रहते हैं। विपरीत समय में भी यह ईमानदारी के साथ कार्यों में लगे रहते हैं और अपनी विल पावर के बूते सफल हो जाते हैं।

नीला रंगः नीले रंग को पसंद करने वाले स्वाभिमानी होते हैं। ये मदद लेना पसंद नहीं करते हैं। अपने प्रेमी को पूरा समय देते हैं और उसकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। इन्हें भरोसेमंद माना जा सकता है। किसी का विश्वास नहीं तोड़ते हैं और किसी अन्य व्यक्ति पर आसानी से विश्वास भी नहीं करते हैं। मित्रता करने से पहले पूरी सावधानी रखते हैं और जब इन्हें यह सुनिश्चित हो जाता है कि व्यक्ति मित्रता करने योग्य है, तब ही मित्रता करते हैं। अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी शिद्दत से करते हैं।

हरा रंगः हरे रंग के दीवाने डाउन टू अर्थ स्वभाव वाले होते हैं। हर परिस्थिति में अपने स्वभाव को बनाए रखते हैं। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी सामान्य इंसान की भांति बने रहते हैं। यदि इनके आस-पास कोई दुखी व्यक्ति होता है तो उसके दुख बांटने का प्रयास करते हैं। ये बहुत शांतिप्रिय इंसान होते हैं। जिस प्रकार हरा रंग आंखों को सुखद अहसास देता है, ठीक वैसा ही स्वभाव हरा रंग पसंद करने वाला भी होता है।

गुलाबी रंगः जिन लोगों को गुलाबी रंग अधिक पसंद होता है, वे जीवनसाथी के प्रति काफी भावुक होते हैं और जीवन साथी का ध्यान रखने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक रहती हैं। मित्रों से विशेष स्नेह प्राप्त करते हैं। सभी लोगों से प्रेम से मिलते हैं। इनका स्वभाव काफी रोमांटिक होता है। ये लोग दूसरों के गुणों पर अधिक ध्यान देते हैं और बुराइयों को अधिकतर नजरअंदाज करते हैं।

भूरा रंगः जिन लोगों को ब्राउन (भूरा) कलर प्रिय होता है, वे लोग आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होते हैं। सफलता मिलने के बाद भी घमंड और अहंकार से दूर रहते हैं। इनका स्वभाव मित्रतापूर्ण और विनम्र रहता है, इस कारण अधिक सफल होने के बाद भी लोग सरल होते हैं। दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दूसरों के दुखों को दूर करने का प्रयास करते रहते हैं। दूसरों को इनका साथ बहुत प्रिय होता है। कठिन परिस्थितियों को काबू करने के लिए धैर्य और मेहनत का सहारा लेते हैं। सूझ-बूझ से विपरीत हालातों से बाहर आ जाते हैं।

जामुनी रंगः जामुनी रंग पसंद करने वाले लोगों के स्वभाव में रचनात्मकता होती है, इस कारण किसी भी काम को अलग-अलग तरीके से करने में इन्हें मजा आता है। इन्हें भीड़ का हिस्सा बनना पसंद नहीं होता है। भीड़ से अलग काम करने पर अधिक विश्वास रखते हैं। ये लोग दूसरों की नकल करना पसंद नहीं करते हैं और ना ही ये चाहते हैं कि कोई इनके कामों की नकल करे। ये दूरदर्शी भी होते हैं।

काला रंगः जिन लोगों को काला रंग पसंद होता है, वे थोड़े रूढ़िवादी हो सकते हैं। साथ ही, इन लोगों को गुस्सा भी बहुत जल्दी आता है। इन्हें किसी भी काम में कोई बदलाव पसंद नहीं होता है। किसी भी प्रकार का बदलाव आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते हैं। ये लोग अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं। इन्हें लोगों से उचित दूरी बनाए रखना पसंद होता है। *

उमंग-तरंग

मीठी-मीठी यादों के बीच प्रेम के प्यारे-प्यारे रंग

होली का पर्व हर कोई बहुत उत्साह-उमंग से मनाता है। छोटे पर्दे के कलाकार भी इसमें पीछे नहीं रहते। इनकी सबसे मीठी यादगार होली कब और क्यों रही? होली के पर्व को ये किस नजरिए से अहम मानते हैं? इस बार होली कैसे मनाएंगे? बता रहे हैं, चर्चित टीवी शोज के कुछ प्रमुख कलाकार।

होली पर किसी को भी छेड़ सकते हैं : विभव रॉय

इन दिनों स्टार भारत पर आ रहे शो 'शैतानी रस्में' में विभव रॉय राजकुमार पीयूष के लीड रोल में नजर आ रहे हैं। होली का जिक्र होने पर वह अपनी पिछले साल की होली याद करते हुए बड़े उत्साह से बताते हैं, 'अपनी पिछली होली मैंने यूएस में अपने भांजे के साथ मनाई थी। जहां हमने स्विमिंग पूल में रंग मिलाकर उसमें होली खेली और खूब मस्ती की थी। उस दिन मेरी बहन ने अपने हाथों से सभी के लिए गुझिया बनाई थी, जो बहुत टेस्टी थी। गुझिया के साथ ढेर सारे कैंडी, चॉकलेट्स भी सभी के लिए रखे गए थे। सबने मजे से खाया। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी एक प्रैंक्स्टर हूं। सभी से हंसी-मजाक करता रहता हूं। होली से जुड़ी मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन आप किसी के भी रंग लगा सकते हैं, उसे छेड़ सकते हैं, उसके साथ मजाक-मस्ती कर सकते हैं। होली एक ऐसा दिन है, जब आपको अपनों के साथ हंसने-हंसाने का मौका मिलता है। इस होली पर मैं अपने शो 'शैतानी रस्में' की शूटिंग में बिजी रहूंगा, लेकिन शूटिंग के बाद अपने को-स्टार्स और क्रू मेंबर्स से साथ होली जरूर मनाऊंगा। आप सभी को होली की शुभकामनाएं!' *

रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का गरिमा परिहार

आजकल सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में गरिमा परिहार ने दीप्ति पारीख पटेल के किरदार में खूब रंग जमा रखे हैं। होली का जिक्र आते ही वह अपनी पिछले साल की खेली होली याद करती हैं,'बीते साल मैंने शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' की पूरी टीम के साथ बड़ी ही धूमधाम से होली खेली थी। असल में होली खेलना हमारे शो के एक सीक्वेंस का हिस्सा था। इसकी शूटिंग के दौरान जब भी हमें ब्रेक मिलता था, हम सभी एक-दूसरे पर पिचकारी चलाने लगते थे। जब पिचकारी से बात नहीं बनती तो बाल्टियों से भर-भर कर एक-दूसरे पर रंग वाला पानी डालते। यह सिलसिला करीब बारह घंटे चला, हमने खूब मस्ती की। मुझे होली से जुड़ी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन सभी लोग एक हो जाते हैं। भले ही हम अपनों से दूर क्यों न हों, लेकिन कोशिश यही रहती है कि होली के दिन सब मिलें। इस त्योहार पर रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का। इस बार की होली मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि होली वाले दिन ही मेरा जन्मदिन है। इस साल मैं अपना जन्मदिन, होली त्योहार के साथ मनाऊंगी। *

फिल्म-जगत / अशोक जोशी

होली के रंग हमारे बीच ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी दिखाई देते हैं। बॉलीवुड के कई निर्माता-निर्देशकों ने अपनी फिल्मों में होली के सतरंगी रंग बिखेरे हैं। फिल्मों में ये रंग कभी बदले या फिर विरह के रूप में दिखते रहे हैं। इनसे इतर प्रेम के गहरे रंग को भी कई बार होली के माध्यम से पर्दे पर दिखाकर दर्शकों के दिलों की धड़कनें बढ़ाई हैं। फिल्म के कथानक के साथ होली-गीतों को भी फिल्मों में बहुत खूबसूरत रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कई फिल्मों में होली के गीत इतने लोकप्रिय हुए कि आज भी होली के मौके पर दिनभर सुनाई देते हैं।

काफी पुराना है इतिहासः जहां तक फिल्मों में होली के दृश्यों की बात है तो इसका इतिहास काफी पुराना है। दिलीप कुमार की पहली फिल्म 'ज्वार भाटा' में होली नजर आई थी। फिल्म के निर्देशक अमिय चक्रवर्ती ने 1944 में होली के दृश्य शूट करके एक इतिहास रचा था। इसके बाद दिलीप कुमार की फिल्म 'आन', 'कोहिनूर' और 'सौदागर' में भी होली के रंग देखने को मिले। इसके बाद भी फिल्मों में होली नजर आती रही।

फिल्मों में होली के यादगार गीतः एक समय ऐसा आया जब फिल्मों में होली के गीत फिल्म का विशेष आकर्षण बन गए। फिल्मकार यश चोपड़ा ने तो इसमें उस दौर के निर्देशकों को बहुत पीछे

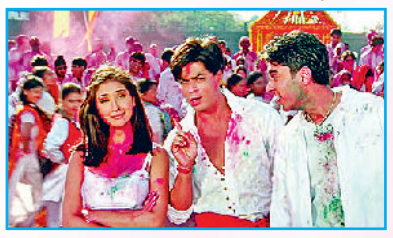

फिल्म 'मोहब्बतें' में कोएक्टर्स के साथ शाहरुख

छोड़ दिया था। अपनी फिल्म 'सिलसिला' में उन्होंने 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' होली का एक लोकप्रिय गीत दिया। इसके बाद 'मशाल' में 'होली आई, होली आई, देखो होली आई रे', 'डर' में 'अंग से अंग लगाना' और बाद में 'मोहब्बतें' में उनके बेटे निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने 'सोनी-सोनी अंखियों वाली, ' में बड़े पर्दे पर होली के रंग बिखेरे। फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'नवरंग' का 'जा रे हट नटखट' और 'लम्हे' का 'मोहे छेड़ो न नंद के लाला' गाने ने भी होली का फिल्मों में प्रतिनिधित्व किया।

फिल्मों में होली के रंग खूब बिखरे हैं। दर्शकों के लिए होली एक विशेष आकर्षण रही है, विशेषकर होली के गीत। फिल्मों में होली, कहानी को आगे बढ़ाने या टर्निंग प्वाइंट लाने में बहुत कारगर साबित हुई है। फिल्मों में होली के रूप पर एक नजर।

फिल्मों में भी खूब बिखरे हैं होली के रंग

फिल्म 'बागबान' में अमिताभ के साथ हेमा

'शोले' में मस्ती के रंग में धर्मेंद्र-हेमा

स्टार्स ने खूब बिखेरे होली के रंग : फिल्मों में होली का रंग बिखेरने में स्टार्स खूब आगे रहे। इनमें अमिताभ-रेखा पर फिल्माया गया गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' आज भी याद किया जाता है। इस गीत के लंबे समय बाद अमिताभ ने हेमा मालिनी के साथ 'बागबान में 'होली खेले रघुवीरा' के जरिए एक बार फिर रुपहले पर्दे को रंगीन किया। अमिताभ, विपुल शाह की 'वक्त' में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'डू मी, फेवर, लेट्स प्ले होली' गाते हुए भी खूब जंचे। हिंदी फिल्मों की एक और जोड़ी, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने होली को फिल्मों में ऐतिहासिक बनाया है। इस जोड़ी पर फिल्माया फिल्म 'शोले' का गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' हिट रहा फिर इस जोड़ी ने फिल्म 'राजपूत' में 'भागी रे भागी रे भागी ब्रजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला'गाकर भरपूर होली खेली। बॉलीवुड में 'होली' और 'होली आई रे' नाम से और 'फागुन' नाम से दो फिल्मों का निर्माण हो चुका है।

'डर' में सनी देओल-जूही चावला

'वक्त' में अक्षय-प्रियंका चोपड़ा

फिल्मी कथा में होली का तरह-तरह से उपयोगः फिल्मों में होली से जुड़ा दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां कुछ फिल्मकारों ने होली को फिल्म की कहानी आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया, तो कुछ ने टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसे सिर्फ मौज-मस्ती और गाने फिट करने के लिए फिल्म में डाला। फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने अपनी फिल्म 'दामिनी' में होली के दृश्य का उपयोग फिल्म में टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए किया, जबकि 'आखिर क्यों' के गाने 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की होली रे' और 'कामचोर' के 'मल दे गुलाल मोहे' में इनके जरिए फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया गया।

नायकों ने नायिकाओं के जीवन में भरे रंगः कई फिल्मों में नायक होली के माध्यम से नायिकाओं के जीवन में रंग भरने की कोशिश करते भी दिखे। फिल्म 'धनवान' में राजेश खन्ना ने रीना रॉय के लिए 'मारो भर-भर पिचकारी' तो 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र, मीना कुमारी के लिए 'लाई है हजारों रंग होली' गाते दिखे। इसी तरह फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माए गाने 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' ने आशा पारेख को अपने अतीत की याद दिला दी थी।

अब कम दिखते हैं होली के रंगः अब फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। कभी-कभी ही फिल्मों से होली गीत दिखते हैं। बीते बरस की फिल्मों में 'जॉली एलएलबी-2' में अक्षय कुमार और हुमा कुरैशी पर फिल्माया एक होली गाना दिखाई दिया था। लेकिन वास्तविकता यही है कि आजकल की फिल्मों में होली के रंग फीके पड़ गए हैं। *

सारे गिले-शिकवे भुलाकर प्रेमपूर्वक रंग खेलने का दिन : स्वाति शर्मा

चैनल शेमारू उमंग के नए शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा ने आशी के किरदार में सबका दिल जीत लिया है। वह होली से जुड़ी अपनी यादें ताजा करते हुए बताती हैं, 'होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है। मेरी सबसे यादगार होली तब की है, जब हम कई साल पहले अपने नए घर में शिफ्ट हुए थे। हमारे पड़ोस में तब कोई रहने नहीं आया था। हमने बगल वाले अंडरग्राउंड टैंक से बकेट से पानी निकालकर, उसमें कलर मिलाकर जमकर होली खेली थी। लेकिन जब मम्मी-पापा को हमारी शरारत पता चली, हमें खूब डांट पड़ी कि हमने इतना ढेर सारा पानी बर्बाद क्यों किया। तब बचपना था, लेकिन अब इस बात को हम अच्छे से समझते हैं कि होली में पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। अब तो हम सबसे कहते हैं, 'होली सिर्फ सूखे रंगों से ही खेलें, पानी बर्बाद न करें।' हमें होली की सबसे प्यारी बात यह लगती है कि इस त्योहार के दौरान हम अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर आपस में प्रेम पूर्वक रंग खेलते हैं, गले मिलते हैं। इस बार की होली मैं शो 'चाहेंगे तुम्हे इतना' के सेट पर अपने कास्ट और क्रू के साथ मनाऊंगी।' *

समावेशी भावना होली को सुंदर-अनोखा उत्सव बनाती है : राकेश बेदी

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाभीजी घर पर हैं' में भूरे लाल का किरदार निभा रहे राकेश बेदी से जब होली की बात होती है तो उन्हें अपने बचपन के दिनों में होली पर की गई शरारतें याद आ जाती हैं। वह बताते हैं, 'होली पर हम बच्चे पानी की बंदूकें और रंगीन पानी की बाल्टियां लेकर बैठ जाते थे, जैसे ही कोई पड़ोसी अपने घर से बाहर निकलता, हम उस पर हमला बोल देते। हमारे पड़ोसियों में एक रूड अंकल थे। हमने उनके साथ मजाक करने का साहस किया। हम बच्चों ने जाकर उनके घर की डोर बेल बजाई, जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, हमने रंगों से भरी बाल्टी उन पर उड़ेल दी और छिपने के लिए भागे, लेकिन अंकल जी गुस्से में आने के बजाय घर के भीतर गए, अपनी रसोई से सूखे आटे की थैली उठा लाए और हमारे ऊपर छिड़कने लगे। इस मस्ती में दूसरे पड़ोसी भी शामिल हो गए। सबको खूब मजा आया। होली के पर्व को सभी उम्र, पृष्ठभूमि और सामाजिक वर्गों के लोग एकसाथ मनाते हैं। ऐसी समावेशी भावना होली को एक सुंदर और अनोखा उत्सव बनाती है।' *

प्रस्तुति : हरिभूमि फीचर्स